रायपुर। रविवार, 11 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 70/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल रणजी ट्रॉफी: स्टार खिलाड़ियों के साथ युवा जोश पर निगाहें...
@ साहित्य केसरी कहाँ रहा अब भरोसा...
@ व्यापार सोना इस हफ्ते 1200 रुपए से अधिक महंगा हुआ...

खबर झरोखा

सोनम वांगचुक ने रिहाई नहीं होने पर अनशन की दी चेतावनी

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई है। वांगचुक ने कहा कि यदि हिरासत में लिए गए लोगों को रविवार तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।

यूएन सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस पर दबाव बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शुक्रवार को बुलाई गई आपात बैठक के दौरान यूक्रेन के विदेश मंत्री सिबिहा ने कहा कि रूस के विनाशकारी हमले लगातार जारी हैं। इन हमलों में एक हफ्ते में 100 नागरिकों ने अपनी जान गंवा दी। रूस लगातार हमारे एनर्जी सिस्टम पर हमले कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यह आपात बैठक 7-8 अक्टूबर को रूस की ओर से किए गए ।

सीजेपी का प्रदर्शन, दिल्ली में करीब 1,000 लोग हिरासत में लिए गए

जंतर-मंतर नही पहुच सके प्रदर्शनकारी, युवक का सिर फटा, दिपके ने हाथ जोड़े

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे करीब 1,000 लोगों को शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग इलाकों में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली की सीमाओं पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर तक पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कई कदम उठाए हैं।

इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली पहुंचने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया और कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया। वहीं, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 45 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए।

पुलिस ने शुक्रवार को कहा था कि सीजेपी के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक, आयोजकों ने पिछले प्रदर्शन के दौरान दिए गए आश्वासनों और कानूनी निर्देशों का पालन नहीं किया था।

इससे पहले शनिवार को सीजेपी के नेताओं अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रंका को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। तीनों नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने जा रहे थे। पुलिसकर्मी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद उसमें दाखिल हुए और अभिजीत दिपके समेत अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया।

दिपके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिल्ली पुलिस के जवान विमान के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिपके पुलिसकर्मियों से कहते सुनाई देते हैं, 'मैं यहां गिरफ्तार होने के लिए आया हूं, मुझे गिरफ्तार कीजिए।' सीजेपी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तीनों नेताओं की हिरासत की जानकारी दी।

वहीं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी को भी गुरुग्राम स्थित उनके आवास से हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई।

अरविंद केजरीवाल समेत आप के कई नेता हिरासत में लिए गए

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और दुर्गेश पाठक के साथ पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर प्रदर्शन कर रहे आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को चंडीगढ़ में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर कथित 'वोट चोरी' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया।

हिरासत में ममता बनर्जी, मुंह पर बैंड-ऐड लगाकर कर रही थीं विरोध-प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ ने हिरासत में लिया है। वह मुंह पर बैंड-ऐड लगाकर विरोध-प्रदर्शन कर रही थीं। टीएमसी के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी ने विरोध के तौर पर अपने मुंह पर बैंड-ऐड चिपका रखा था। सूत्रों के मुताबिक, यह उनकी आवाज दबाए जाने के खिलाफ सांकेतिक विरोध था।

425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी

गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय से भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

भेंट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया।पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है।

दुष्कर्म के दोषियों को 20-20 साल की सजा

गरियाबंद ■ हेमंत तिरपूड़े

गरियाबंद एक नाबालिग के लापता होने की शिकायत से शुरू हुआ मामला आखिरकार अदालत के फैसले तक पहुंच गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, अभियोजन पक्ष की पैरवी और 13 गवाहों के बयानों के बाद गरियाबंद के फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय की पीठासीन न्यायाधीश गंगा पटेल ने ने नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म से जुड़े मामले में दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। अदालत ने मुख्य आरोपी रमजान खान को 20 साल के सश्रम कारावास और उसके सहयोगी अब्दुल रहमान को भी कठोर सजा से दंडित किया है।

न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 13 सितंबर 2024 का है। पीड़िता के परिजनों ने देवभोग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी रात में घर से लापता हो गई है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने अपराध दर्ज कर तलाश शुरू की। त्वरित कार्रवाई के दौरान उसी शाम पीड़िता को मुख्य आरोपी रमजान खान के कब्जे से उसके मित्र अब्दुल रहमान के घर से बरामद किया गया।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, पीड़िता ने घटना के संबंध में बताया कि वह रात में लघुशंका के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान आरोपी अपने मित्र के साथ वहां पहुंचा। आरोप था कि उसके मुंह में गमछा ठूंसकर उसे बेहोश कर दिया गया। होश आने पर उसने खुद को मोटरसाइकिल पर पाया। अभियोजन के अनुसार, इसके बाद रमजान खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे अपने मित्र के घर में रखा।

मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 13 गवाहों के बयान कराए। विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने पक्ष रखते हुए मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को न्यायालय के सामने प्रस्तुत किया।

विशेष न्यायालय की पीठासीन न्यायाधीश गंगा पटेल ने उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। मुख्य आरोपी रमजान खान को पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड सहित अन्य धाराओं में भी सजा सुनाई गई। वहीं, अब्दुल रहमान को पॉक्सो एक्ट की धारा 18 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड समेत अन्य धाराओं में दंडित किया गया।

हॉस्टल के बच्चों को लोअर एवं टी-शर्ट का वितरण

छुरा ■ मानसिंह निषाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनकल्याण एवं समाज के हर वर्ग के उत्थान की भावना के अनुरूप हॉस्टल में निवासरत बच्चों को लोअर एवं टी-शर्ट का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री थानसिंग निषाद एवं हॉस्टल अधीक्षक कुलेश्वर मरकाम उपस्थित रहे।

बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। बच्चों की सुविधाओं, शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए सहयोग करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

'रिग्ड' चुनाव का आरोप लोकतांत्रिक भरोसे को पहुंचाता है चोट, पूर्व नौकरशाहों का खुला पत्र

संवाददाता ■ रायपुर

पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल, पूर्व राजदूतों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों सहित पूर्व सिविल सेवकों के एक समूह ने भारत की चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता का बचाव करते हुए संयुक्त खुला पत्र जारी किया है। पत्र में चुनावों में धांधली के आरोपों को बिना सबूत लगाए जाने पर सवाल उठाते हुए नागरिकों से चुनावी व्यवस्था में स्थापित बहुदलीय सुरक्षा उपायों पर भरोसा करने, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का सम्मान करने और मतदाता सूची की जांच करने की अपील की गई है।

पत्र में कहा गया है कि चुनावों को 'रिग्ड' यानी धांधली से प्रभावित बताने के लिए बिना सबूत इस शब्द का बार-बार इस्तेमाल लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के भरोसे को नुकसान पहुंचाता है। पत्र लिखने वाले अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में भारत के चुनावों का संचालन किया है या उनका अध्ययन किया है। उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने, मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित करने, स्ट्रॉन्ग रूम सील करने और मतगणना की निगरानी जैसे कार्य किए हैं। पत्र के मुताबिक, इन अधिकारियों का किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है और वे अपने अनुभव के आधार पर चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा व्यवस्था को सामने रखना चाहते हैं। पूर्व अधिकारियों ने पुराने चुनावों में बूथों पर हथियारबंद लोगों की मौजूदगी, बाहुबलियों के समर्थकों की गतिविधियों, मतपेटियों में अवैध तरीके से मतपत्र डालने, मतपेटियां चुराने और मतदाताओं को मतदान से रोकने जैसी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बूथ कैप्चरिंग की समस्या इतनी गंभीर थी कि संसद ने 1989 में इसे अपराध घोषित किया।

तीर तेवर — सागर कुमार

11 वर्षीय पीहू दास पर सवार होंगी देवी काछन

काछनगादी की तैयारियां पूरी-अपनी 22 पीढ़ियों की परंपरा निभाते हुए नेताम परिवार

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

छत्तीसगढ़ में 75 दिनों तक चलने वाले प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की आज काछनगादी की रस्म निभाई जाएगी। शनिवार रात जगदलपुर के भंगाराम चौक स्थित काछनगुड़ी में पूरी होगी। इस दौरान पनका जाति की 12 साल की पीहू दास पर काछनदेवी सवार होंगी।

देवी बेल के कांटों से बने खास झूले पर झूलकर बस्तर दशहरा मनाने की अनुमति देंगी। इसके बाद बस्तर दशहरा की दूसरी धार्मिक रस्में भी शुरू होंगी। मान्यता है कि यह परंपरा 618 साल पुरानी है। काछनगादी की रस्म निभाने वाली पीहू दास 5वीं कक्षा में पढ़ती हैं।

पनका समाज की कन्या निभाती है काछनगादी रस्म

पीहू दास ने इस रस्म से पहले करीब 9 दिनों तक देवी की पूजा की और उपवास रखा है। पीहू पांचवी बार इस परंपरा में शामिल होंगी। इससे पहले पनका समाज की अनुराधा ने करीब 5 से 6 साल तक यह जिम्मेदारी निभाई थी।

बस्तर दशहरा में अलग-अलग जातियों और गांवों के लोगों को खास जिम्मेदारियां दी गई हैं। झारउमर और बेड़ाउमर गांव के ग्रामीणों को रथ बनाने की जिम्मेदारी मिली है। वहीं, काछनगादी की रस्म पनका समाज की कन्या निभाती है। यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है।

22 पीढ़ियों से एक परिवार बना रहा कांटों का झूला

काछनगादी की रस्म में इस्तेमाल होने वाला बेल के कांटों से बना झूला भी इस परंपरा का अहम हिस्सा है। लामनी के रहने वाले जगत राम नेताम का परिवार करीब 22 पीढ़ियों से झूला बनाने की जिम्मेदारी निभा रहा है।

परिवार के सदस्य जंगल से बेल की कांटेदार डालियां लाकर झूला तैयार करते हैं। यह काम धार्मिक आस्था और परंपरा के प्रति समर्पण के साथ किया जाता है। रस्म के दौरान परिवार के घर में नौ दिनों तक अखंड दीपक भी जलाया जाता है।

पीढ़ियां बदलने के बाद भी परिवार अपनी जिम्मेदारी निभाता आ रहा है। परिवार के सदस्यों ने इस परंपरा को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया है।

नवरात्र से एक दिन पहले होती है रस्म

बस्तर दशहरा की प्रमुख रस्म मानी जाने वाली काछनगादी हर साल नवरात्र से ठीक एक दिन पहले आयोजित की जाती है। इस अवसर पर बस्तर राजपरिवार के सदस्य और दशहरा समिति के पदाधिकारी काछनगुड़ी पहुंचकर देवी से उत्सव मनाने की अनुमति मांगते हैं।

विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से तैयार होंगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी : सीएम साय

सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में योजनाबद्ध रूप से आगे बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के जोरा में आयोजित सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में प्रस्तावित विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स क्लब की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में खेल संस्कृति को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर क्लब के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक पुलेला गोपीचंद का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय बैडमिंटन को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनके मार्गदर्शन में अनेक खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। नवा रायपुर में उनकी बैडमिंटन अकादमी की शुरुआत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी करते हैं। खेलों में निवेश वास्तव में हमारी युवा पीढ़ी और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य में निवेश है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दे रही है।

बस्तर ओलंपिक ने बदली तस्वीर, गांवों से निकलकर मैदान तक पहुंच रहे युवा

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच बना है। बस्तर ओलंपिक के पहले वर्ष में लगभग एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग तीन लाख 91 हजार हो गई। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी बताती है कि बस्तर के युवाओं में खेलों को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है।

जैन दादाबाड़ी में अमावस्या को विश्वशांति के लिए दादागुरुदेव की पूजा

विश्व केसरी

रायपुर । जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में अमावस्या के पावन अवसर पर विश्वशांति प्रत्यर्थ दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष सन्तोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जैन धर्म के मूलमंत्र अहिंसा व जियो और जीने दो के वातावरण का प्रसार हो इस मंगल भावना से 18 अक्टूबर रविवार से अहिंसा परमो धर्म का उदघोष करते हुए नवपद ओली आरम्भ होगी, जिसमें श्रद्धालु पूर्ण अहिंसा का पालन करते हुए आयम्बिल तप आराधना करते हैं।

अमावस्या पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के साथ छत्तीसगढ़वासियों की सुख समृद्धि की कामना की गई। वर्धमान चोपड़ा , मंजू कोठारी , दीप्ती बैद द्वारा बड़ी पूजा विधान सम्पन्न हुआ। अमावस्या पर पूजा पश्चात लाभार्थी परिवार की ओर से प्रभावना रखी गई। दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के लाभार्थी अशोक अरुणा कोठारी , मोहन लाल मनीष नमन पगारिया , मनोहर लाल पुगलिया , मंजू महेन्द्र कोठारी , जयचंद रमेश , मोहन चंद बच्छावत , दिनेश कुमार जैन , बसंत जितेन्द्र नाहर , नीलमचंद डॉ अंशुल बरड़िया , वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा , गुमान चंद कांतिलाल झाबक , संतोष सरला बैद व गुप्त भक्त परिवार हैं ।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हे कि मैं पप्पू राम **(PAPPU RAM)** पिता गोन्दू **(GONCHU)**, निवासी ग्राम धरमपुरा नं. 1, धुरवापारा, अटल बिहारी बाजपेई वार्ड क. 38, जगदलपुर, जिला बस्तर, छग पिन 494001 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना पुराना नाम को ॥ त्यागकर नया नाम पप्पू राम नाग **(PAPPU RAM NAG)** पिता स्व. गोन्चू **(LATE GONCHU)** रख लिया हूं।

अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम पप्पू राम नाग **(PAPPU RAM NAG)** पिता स्व. गोन्चू **(LATE GONCHU)** से ही जाना, पहचाना जावे।

दिनांक

पप्पू राम नाग
ग्राम धरमपुरा नं. 1
जगदलपुर
जिला बस्तर
पिन 494001

राजधानी में 10 लाख की उठाईगिरी, कपड़ा

विश्व केसरी

रायपुर । दीपावली से पहले राजधानी में बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया जिसमे कपड़ा कारोबारी किशोर बलवानी उठाईगिरी का शिकार हुए। वे अपनी स्कूटी को कटोरा तालाब के पास छोड़ कर पास की दुकान में पान खाने उतरे थे की मौका पाते ही बदमाशों ने उनकी स्कूटी से दस लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गये । मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज़ कर जाँच शुरू कर दी है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जेसीसीजे का अनोखा विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी

रायपुर । देशभर में मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं, वोट चोरी के आरोपों और भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने आज राजधानी रायपुर में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के नेतृत्व में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बड़ी संख्या में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने सुभाष स्टेडियम से शास्त्री चौक स्थित मुख्य निर्वाचन कार्यालय तक विरोध रैली निकालने का प्रयास किया। प्रदर्शन को व्यंग्यात्मक स्वरूप देते हुए कार्यकर्ताओं ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनकर 'ज्ञानू और जानू की बारात' निकाली। बैंड-बाजे और विवाह की प्रतीकात्मक रस्मों के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच कथित निकटता पर राजनीतिक व्यंग्य किया तथा निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए।

विरोध रैली जब मोतीबाग के पास पहुंची, तब पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने वहीं सड़क पर प्रतीकात्मक रूप से 'ज्ञानू और जानू का विवाह' संपन्न कराया। इस अनोखे प्रदर्शन के माध्यम से पार्टी ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया।

इस अवसर पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कहा जबसे ज्ञानू और जानू का प्यार हुआ है लोकतंत्र बीमार हो गया है, पिछले दस साल से देश में वोट चोरी होती रही , देश में सिक्रेट लव अफेयर चल रही थी। जिसका आज हमने रायपुर की सड़क में बारात निकाली गई, एक तरफ रायपुर में बारात निकल रही है दूसरी तरफ देश में लोकतंत्र का जनाजा निकल रहा है। जनता का वोट लोकतंत्र की आत्मा है उसके साथ खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा । उन्होंने कहा भारत का लोकतंत्र संविधान और जनता के विश्वास पर टिका हुआ है।

इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत आम नागरिक का वोट है। गरीब, किसान, मजदूर, युवा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को संविधान ने मतदान के माध्यम से अपनी सरकार चुनने का अधिकार दिया है।

भारतीय सूचना सेवा अधिकारी विकल्प रंजन शुक्ला का निधन

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी विकल्प रंजन शुक्ला के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है।

वे आकाशवाणी रायपुर में क्षेत्रीय समाचार एकांश (RNU) प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। आकाशवाणी छत्तीसगढ़ से प्रसारित होने वाले प्रादेशिक समाचारों और समसामयिक कार्यक्रमों के संपादन व संचालन की जिम्मेदारी उनके पास थी।

आकाशवाणी और PIB में दीं सेवाएं

विकल्प रंजन शुक्ला भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी थे। उन्होंने आकाशवाणी के साथ-साथ प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (PIB) में भी सेवाएं दी थीं। अपने कार्यक्षेत्र में वे समाचारों के संपादन और प्रसारण से जुड़ी जिम्मेदारियां संभाल रहे थे।

पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

विकल्प रंजन शुक्ला के निधन की खबर से पत्रकारिता और मीडिया जगत में शोक का माहौल है। आकाशवाणी और PIB में उनकी सेवाओं के साथ उनका नाम भारतीय सूचना सेवा से जुड़े अधिकारियों में शामिल रहा।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के एमएमटीटीसी में 6 दिवसीय राष्ट्रीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य समापन

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित 6 दिवसीय शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम 'Rejuvenation and Holistic Well-being through Yoga' का समापन समारोह शनिवार को अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस छह दिवसीय आवासीय और राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से पधारे सहायक प्राध्यापकगणों ने पूरी निष्ठा के साथ हिस्सा लिया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर की निदेशिका प्रोफेसर प्रीति के. सुरेश ने कहा कि योग हमारी प्राचीन सांस्कृतिक थाती है, जो आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मानसिक शांति और शारीरिक संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस ज्ञान को अपने महाविद्यालयों और दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रो.राजीव चौधरी ने छह दिनों की अकादमिक यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन छह दिनों में प्रतिदिन चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें योग के वैज्ञानिक आधार, तनाव प्रबंधन, कायाकल्प और सर्वांगीण स्वास्थ्य (Holistic Health) जैसे विषयों पर देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं व्याख्यान दिए।

समापन सत्र का सबसे आकर्षण केंद्र प्रतिभागी संवाद एवं फीडबैक सत्र रहा। देश के विभिन्न प्रांतों से आए प्राध्यापकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस आवासीय कार्यक्रम को अपने जीवन और शिक्षण करियर के लिए अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायी और ऊर्जावान बताया। प्रतिभागियों का कहना था कि इस प्रशिक्षण से उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से खुद को पुनर्जीवित (Rejuvenate) करने का अनूठा अवसर मिला है।

कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस पूरे उद्घाटन व समापन समारोह का मंच संचालन तथा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रो. बृजेन्द्र पाण्डेय द्वारा किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, MMTTC परिवार, सभी विषय-विशेषज्ञों और देश भर से पधारे संकाय सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

डीएसी अकादमी में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। DAC Academy, नेहरू चौक, बिलासपुर में शुक्रवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि तिलकनगर, बिलासपुर के स्थानीय पार्षद लक्ष्मी नारायण कश्यप जी के करकमलों से हुआ।

इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में नाक, कान एवं गला (ENT), दंत परीक्षण तथा नेत्र परीक्षण की सुविधाएँ प्रदान की गईं।

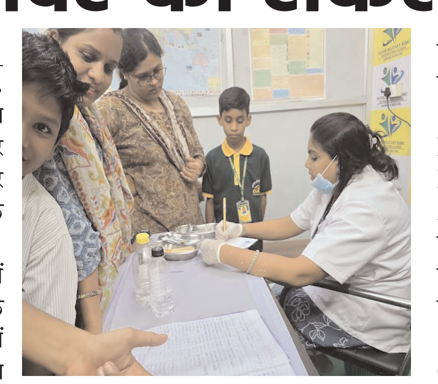

इस शिविर में सैकड़ों विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। रायपुर से आई चिकित्सकों की टीम ने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इस पहल से विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक होने और समय पर जाँच कराने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में DAC Academy के निदेशक D. P. Goswami, बिलासपुर शाखा प्रमुख पिंटू सर, डिप्टी डायरेक्टर अनिकेता मैडम, डॉ. श्रद्धा निर्मलकर, आशीष ठाकुर, शिक्षक कृष्णा सर तथा प्रीति टिशु संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक पीयूष जैन सहित अन्य सहयोगियों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।

इस जनहितकारी आयोजन में Roopjeevan Hospital, ASG Eye Hospital, Shrivedam Dental and Ayurvedic Clinic तथा S.S. Creation का सहयोग रहा। सभी सहयोगी संस्थानों एवं चिकित्सकों के योगदान से शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

DAC Academy के निदेशक D. P. Goswami ने मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण कश्यप, रायपुर से आई चिकित्सक टीम, सभी सहयोगी संस्थानों, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। DAC Academy भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा के लिए प्रयासरत रहेगी।

भाजपा महिला मोर्चा का राजधानी में जोरदार प्रदर्शन

कांग्रेस सांसद डॉ. बिमोल अकोइजम पर यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर राजीव भवन का किया घेराव

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा कांग्रेस के इनर मणिपुर से सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार के गंभीर आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ राजधानी रायपुर में शनिवार को उग्र प्रदर्शन किया गया। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय 'राजीव भवन' का घेराव कर जोरदार नारेबाजी की और कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

आरोपी सांसद बिमोल अकोइजम को तत्काल निष्कासित करे पार्टी : रूपकुमारी चौधरी

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद रूपकुमारी चौधरी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का 'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' का नारा केवल एक चुनावी ढकोसला है। जब अपनी ही पार्टी के नेताओं और सांसदों पर नारी गरिमा को तार-तार करने के आरोप लगते हैं, तब गांधी परिवार और कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह मौन साध लेता है। चौधरी ने सवाल किया कि जेएनयू में अध्यापन के दौरान छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार करने के आरोपी सांसद पर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आखिर मौन क्यों है? क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ऐसे गंभीर अपराधों को संरक्षण दे रहे हैं? यदि कांग्रेस ने अपने आरोपी सांसद पर कठोर कार्रवाई नहीं की, तो महिला मोर्चा इस लड़ाई को संसद से लेकर सड़क तक पूरी ताकत के साथ लड़ेगा। चौधरी ने कहा कि जवाहरलाल यह अत्यंत शर्मनाक है कि एक ओर कांग्रेस महिला सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उसकी पार्टी के सांसद पर छात्राओं ने यौन दुर्व्यवहार के घिनौने आरोप लगाए हैं। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को तत्काल इस आरोपी सांसद को लोकसभा से निलंबित कर बर्खास्त करना चाहिए और देश की बेटियों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा इस जघन्य कृत्य के खिलाफ कांग्रेस पार्टी और उसके सांसद के खिलाफ देशव्यापी धरना प्रदर्शन करेगा और तब तक चुप नहीं बैठेगा जब तक पीड़ित छात्राओं को न्याय नहीं मिल जाता।

छात्राओं से यौन दुर्व्यवहार के आरोपी कांग्रेस सांसद पर हो कठोर कानूनी कार्रवाई : लक्ष्मी वर्मा

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि जेएनयू की घटना ने एक बार फिर कांग्रेस के महिला विरोधी चरित्र को बेनकाब किया है। यह घटना बताती है कि कांग्रेस के भीतर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति कोई संवेदनशीलता नहीं है। वर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास ही महिला विरोधी रहा है। चाहे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन के दौरान महिलाओं पर हुए अत्याचार हों या देशभर में कांग्रेस नेताओं के महिला विरोधी बयान हों, यह पार्टी हमेशा महिलाओं के अपमान पर मौन रही है। वर्मा ने मांग की कि कांग्रेस आलाकमान तत्काल अपने सांसद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे और देश की बेटियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। भाजपा इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और पीड़ित छात्राओं को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगी। वर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने सांसद पर लगे गंभीर आरोपों पर जिस तरह पर्दा डालने का प्रयास कर रही है, वह बेहद निंदनीय है। आरोपी सांसद के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष व कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। वर्मा ने कहा कि महिला सुरक्षा पर ज्ञान बाँटने वाले कांग्रेसी नेता आज अपने ही सांसद के कुकृत्यों पर आँखें मूंदे बैठे हैं। रायपुर में महिला मोर्चा की बहनों द्वारा कांग्रेस मुख्यालय का घेराव कांग्रेस के इसी पाखण्ड के खिलाफ फूटा जनआक्रोश है।

राहुल का नारी सम्मान और 'पितृसत्ता को चुनौती' देने का दावा केवल ढोंग : विभा अवस्थी

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशभर में घूम-घूमकर 'पितृसत्ता को चुनौती देने' का पाखण्ड रचते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी अपनी ही पार्टी के सांसद पर छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार जैसे अत्यन्त गम्भीर और घिनौने आरोप लग रहे हैं।

जतमई धाम में विधायक रोहित साहू, कलेक्टर रणवीर शर्मा और जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने किया वृक्षारोपण

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र जतमई माता मंदिर परिसर में शनिवार, 10 अक्टूबर को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनसेवा का संदेश देते हुए '25 वर्ष सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, गरियाबंद कलेक्टर रणवीर शर्मा, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने वृक्षारोपण कर स्वच्छ और हरित पर्यावरण का संदेश दिया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने तथा स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से अभियान भी चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही आम नागरिकों से भी अपील की गई कि वे अपने आसपास हरियाली बढ़ाने, पौधों की देखभाल करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

विधायक रोहित साहू का संदेश— प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का दायित्व – वृक्षारोपण के अवसर पर विधायक रोहित साहू ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। स्वच्छ हवा, शुद्ध वातावरण और बेहतर भविष्य के लिए पेड़ों का संरक्षण बेहद जरूरी है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर बड़ा करना भी हमारी जिम्मेदारी है। जब प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएगा, तभी हरित और स्वच्छ वातावरण का सपना साकार हो सकेगा।

विधायक का संदेश रहा कि विकास के साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। बढ़ता प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा और हरियाली में कमी पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे में पौधरोपण, स्वच्छता और प्लास्टिक के कम उपयोग जैसी छोटी-छोटी पहल भी बड़े बदलाव का आधार बन सकती हैं। उन्होंने जनभागीदारी को पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए लोगों से प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने भी किया पौधरोपण – कार्यक्रम में कलेक्टर रणवीर शर्मा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी पौधरोपण किया। इस पहल के माध्यम से संदेश दिया गया कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा।

जतमई माता मंदिर परिसर में आयोजित इस अभियान में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर दिया गया। धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई बनाए रखना, प्लास्टिक कचरे का उचित निपटान करना और प्राकृतिक परिवेश को सुरक्षित रखना न केवल प्रशासन की, बल्कि प्रत्येक श्रद्धालु एवं नागरिक की जिम्मेदारी है।

जनप्रतिनिधियों और वन विभाग की रही गरिमामय उपस्थिति – कार्यक्रम में जिला पंचायत गरियाबंद की वन सभापति शिवांगी चतुर्वेदी, जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष श्रीमती मीरा ठाकुर, जिला गरियाबंद के महामंत्री चंद्रशेखर साहू, जनपद पंचायत छुरा उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी, जनपद वन सभापति युवराज साहू, जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर, महेंद्र कुमार ध्रुव एवं श्रीमती दुलारी साहू, मानसिंग निषाद, खड़मा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, गायडबरी सरपंच एवं जतमईगढ़ समिति अध्यक्ष करण कुमार ध्रुव तथा जिला महामंत्री पालेन्द्र साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके साथ ही वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) मयंक पाण्डेय, एसडीओ राकेश चौबे, छुरा एसडीएम विशाल कुमार महाराणा, जनपद पंचायत छुरा सीईओ सतीश चंद्रवंशी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वन परिक्षेत्र पांडुका, छुरा, फिंगेश्वर, परसुली एवं गरियाबंद के वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

कोलता समाज के प्रतिनिधि मंडल ने सीएम साय से की मुलाकात, रामचंडी दिवस का दिया आमंत्रण

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। आगामी 24 अक्टूबर को गढ़फुलझर में आयोजित रामचंडी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने कोलता समाज का एक प्रतिनिधि मंडल बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल के साथ उनसे मुलाकात कर आने का न्योता दिया। उन्होंने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए आने की सहमति भी प्रदान की। संरक्षक हरिचरण प्रधान ने बताया कि सरायपाली, बसना एवं पिथौरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में निवासरत कोलता समाज की आराध्य देवी माँ रामचंडी प्राचीन फुलझर राज्य के ऐतिहासिक गढ़ के शिखर पर विराजित हैं। कोलता समाज द्वारा आश्विन मास के शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के दिन रामचंडी दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन कोलता समाज का एक वृहद सामाजिक एवं धार्मिक समारोह आयोजन होता आ रहा है। शारदीय नवरात्रि के पश्चात माँ रामचंडी की विशेष पूजा अर्चना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होता है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित उड़ीसा क्षेत्र के कोलता समाज के लोग शामिल होते हैं। इस दिन मनोकामना लेकर दूर-दूर से कोलता समाज सहित दीगर समाज के लोग मां के दरबार में माथा टेकने पहुँचते हैं।

इस दिन महाभंडारा का आयोजन होता है। फुलझर अंचल ओड़िया और छत्तीसगढ़ी संस्कृति का संगम स्थल है। यहाँ छत्तीसगढ़ की धरती पर उड़िया संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। अध्यक्ष गिराधारी साहू ने बताया कि पिछले वर्ष रामचंडी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आने वाले थे। मगर प्रतिकुल मौसम की वजह से नहीं आ पाए। मगर इस वर्ष मुख्यमंत्री रामचंडी दिवस में शामिल होने प्रतिनिधि मंडल को अश्वस्त किए हैं। प्रतिनिधि मंडल में बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज के संभागीय अध्यक्ष गिरधारी साहू, संरक्षक द्वय हरिचरण प्रधान , व्यासदेव भोई, उपाध्यक्ष चित्रसेन प्रधान, सचिव मोहनलाल साहू, सदस्य सुवर्धन प्रधान, बसना आंचलिक सभा अध्यक्ष भोजराज प्रधान, गिधली सभापति संजय भोई शामिल थे। उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी कमलेश साहू ने दी।

भगत देवरी सहित आसपास के अनेक गांवों में जियो का नेटवर्क बदहाल, ग्रामीण परेशान : मोक्ष प्रधान

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। बसना विधानसभा क्षेत्र के पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत भगत देवरी एवं आसपास के ग्राम साल्हेतराई, तिलांजनपुर, सिरको, रेमड़ा सहित अनेक गांवों में जियो मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति को लेकर ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क बेहद कमजोर है, जबकि कई जगहों पर इंटरनेट सेवा ठीक से काम नहीं कर रही है। इससे मोबाइल कॉल, ऑनलाइन कामकाज, डिजिटल भुगतान, पढ़ाई तथा अन्य जरूरी ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को बसना विधानसभा के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने गंभीरता से उठाते हुए महासमुंद कलेक्टर से इस पूरे मामले में ध्यान देकर संबंधित दूरसंचार कंपनी के अधिकारियों से चर्चा कर समस्या का शीघ्र समाधान कराने का आग्रह किया है। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल नेटवर्क केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि आम जनता की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी योजनाओं से संबंधित काम, आपातकालीन सूचना और परिवारजनों से संपर्क तक बहुत कुछ मोबाइल नेटवर्क पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी पूरे क्षेत्र में नेटवर्क सेवा बाधित रहती है तो इसका सीधा असर आम नागरिकों के जीवन पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण उपभोक्ता नियमित रूप से रिचार्ज का भुगतान कर रहे हैं और पूरे महीने की सेवा के लिए कंपनी को पैसा दे रहे हैं, लेकिन यदि नेटवर्क और इंटरनेट की सुविधा लगातार बाधित रहती है तो उपभोक्ताओं के सामने स्वाभाविक रूप से सवाल खड़ा होता है कि उन्हें भुगतान के अनुरूप सेवा क्यों नहीं मिल रही है।

मटिया में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में शनिवार ग्राम मटिया में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलौदाबाजार द्वारा महाभियान के अंतर्गत विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीत वार्नर एवं सचिव आलोक पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सरल, सुलभ और सहज रूप में पहुंचे तथा छोटे-मोटे विवादों का समाधान आपसी बातचीत, समझदारी और सहमति से हो सके।

इस अवसर पर ग्राम में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को सामुदायिक मध्यस्थता के महत्व, उपयोगिता एवं लाभों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही घर-घर पहुंचकर लोगों को इस पहल से जुड़ने और इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां, पारिवारिक मतभेद, पड़ोसियों के बीच विवाद, भूमि की सीमाओं से जुड़े कुछ मामले तथा लेन-देन संबंधी असहमतियां समय के साथ गंभीर रूप ले लेती हैं। ऐसे में आपसी संवाद, धैर्य और समझदारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

सामुदायिक मध्यस्थता विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का एक प्रभावी माध्यम है, जिसमें निष्पक्ष मध्यस्थ संबंधित पक्षों के बीच संवाद स्थापित करने में सहायता करता है, ताकि वे स्वेच्छा से स्वीकार्य समाधान तक पहुंच सकें। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि मध्यस्थता का उद्देश्य किसी एक पक्ष की जीत या दूसरे की हार सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि ऐसा समाधान तलाशना है, जिसमें दोनों पक्षों के हितों और आपसी सम्मान का ध्यान रखा जा सके। इससे न केवल अनावश्यक कटुता कम करने में मदद मिल सकती है, बल्कि परिवार, पड़ोस और समुदाय के बीच संबंधों को भी बेहतर बनाए रखने का अवसर मिलता है। अभियान में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि सामुदायिक मध्यस्थता से उपयुक्त विवादों का समाधान कम खर्चीले, सरल और सौहार्दपूर्ण तरीके से तलाशने में सहायता मिल सकती है।

घर में घुसकर मां-बेटे की हत्या

विश्व केसरी

डोंगरगढ़ (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात सनसनीखेज वारदात हुई। चौथना गांव में घर के अंदर घुसकर एक आरोपी ने मां और बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, कमला सोनकर का परिवार सब्जी बेचने का काम करता है। शुक्रवार रात आरोपी घर में घुसा और कमला सोनकर पर हमला कर दिया। इसके बाद उसके 21 वर्षीय बेटे हमेंद्र सोनकर को भी निशाना बनाया। हमले में मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि बेटी ममता सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल ममता को डोंगरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर रायपुर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

टेढ़ीभदरा सरपंच का यू-टर्न, इस्तीफा नहीं देने का फैसला

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुर्रे)। छत्तीसगढ़ के बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत टेढ़ीभदरा में सरपंच के इस्तीफे को लेकर हलचल मच गई है। सरपंच प्रेमकुमारी नारंग के नाम से इस्तीफे का एक पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पंचायत से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, सरपंच ने मीडिया के सामने आकर इस्तीफा देने की वजह स्पष्ट की और अब पद से इस्तीफा नहीं देने की बात कही है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस्तीफे की चिट्ठी – सरपंच प्रेमकुमारी नारंग के इस्तीफे का पत्र वायरल होने के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया। पूर्व विधायक चंद्रदेव राय ने भी अपने फेसबुक पोस्ट में इस्तीफे की वजह पंचायत में विकास कार्य नहीं करा पाना, मूलभूत सुविधाओं की कमी और सरकार के पास पर्याप्त बजट नहीं होने को बताया।

भटगांव सहकारी समिति में नियुक्ति पर उठे सवाल, जांच की मांग

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुर्रे)। सहकारिता विभाग में आयें दिनों नियुक्ति के नाम पर खुल कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जिसमें नियुक्ति के नियमों का जरा भी पालन नहीं किया जा रहा है। सहकारिता विभाग में समिति स्तर में किसी भी के नियुक्ति करने पर 21 दिसम्बर 2020 से पंजीयक सहकारी संस्थाएं नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र जारी कर रोक लगा दिया है। इसके पश्चात् भी मोटा रकम के लालच में मनमाने नियुक्ति धड़ल्ले से की जा रही है।

वहीं सहकारिता विस्तार अधिकारी द्वारा बहती गंगा में हाथ धोना उचित समझ रहा है। जबकि सहकारिता विभाग द्वारा प्रत्येक ब्लाक में एक सहकारिता विस्तार अधिकारी की नियुक्ति कर रखा है जो समिति के क्रियाकलापों में नजर रखें तथा निरीक्षण आंकेक्षण करें लेकिन खुद अधिकारी इन कार्यों में शामिल है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार 03 नवम्बर 2025 को सभी समिति में कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व सामुहिक हड़ताल में चले गये थे जिससे निपटने के लिये सहकारिता विभाग द्वारा आनन फानन में आउट सोर्सिंग के माध्यम से कम्प्युटर आपरेटर की नियुक्ति सभी धान खरीदी केन्द्र में किया गया था। लेकिन 11 नवम्बर 2025 को हड़तालरत सभी कम्प्यूटर आपरेटर काम में लौट आयें। जिससे आउट सोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त कम्प्युटर आपरेटर का नियुक्ति आदेश निरस्त कर दिया गया और सभी आपरेटरों को वापस कर दिया गया। लेकिन कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पंजीयन क्रमांक 1416 के प्राधिकृत अधिकारी / अध्यक्ष द्वारा इसी आउट सोर्सिंग से नियुक्त कम्प्यूटर आपरेटर यशवंत कुमार पिता श्यामलाल ग्राम बन्दारी निवासी जो ग्रामीण सेवा सहकारी समिति जमगहन पं. क्र. 236 के प्राधिकृत अधिकारी का पुत्र है। जिसे कृषक सेवा सहकारी समिति भटगांव पं.क्र. 1416 के प्राधिकृत अधिकारी समिति में रखा है जबकि इस समिति में पूर्व से कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटर धनसाय यादव पदस्थ है और नवगठित देवसागर समिति क्षेत्र का निवासी है।

निधन

भागवती साहू

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। ग्राम बड़ी करेली निवासी स्व. शिवसिंग साहू की धर्मपत्नी भागवती साहू उम्र 87 वर्ष की आकस्मिक निधन हो गया है। जिनकी शव यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक, पारिवारिक एवं ग्रामवासी सम्मिलित हुए। वे वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रमेश कुमार सोनसायटी एवं सुरेश साहू के माता जी थी।

दीपों की रोशनी, वैदिक मंत्रों की गूंज और आरु साहू के गीतों से जगमगाया राजिम का त्रिवेणी संगम

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। महानदी के तट पर दीपों की जगमगाहट, वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज और छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की मधुर धुनों ने शुक्रवार शाम राजिम के त्रिवेणी संगम को भक्तिमय बना दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित भव्य महानदी गंगा आरती एवं सांस्कृतिक संध्या में जहां सात पुरोहितों ने विधि-विधान से आरती संपन्न कराई, वहीं सुप्रसिद्ध युवा लोक कलाकार आरु साहू ने अपनी सांस्कृतिक टीम के साथ शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जुड़ा यह आयोजन श्रद्धालुओं एवं नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम का उद्देश्य महानदी तट एवं नदी घाटों की स्वच्छता के साथ जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना था। आयोजन के पूर्व घाट क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। इसके बाद शाम को सात पुरोहितों ने पारंपरिक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महानदी गंगा आरती की। आरती के दौरान धूप, दीप और मंत्रों की गूंज से पूरा घाट आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर हो उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आरती में सहभागिता कर नदी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

आरु साहू के छत्तीसगढ़ी गीतों ने बांधा समां – गंगा आरती के बाद आयोजित सांस्कृतिक संध्या में युवा लोक कलाकार आरु साहू ने अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनके भक्तिमय गीतों और लोकधुनों पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम में भक्ति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। आरु साहू की प्रस्तुतियों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए और देर तक महानदी तट पर उत्साह का माहौल बना रहा।

आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश – सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नदियों को स्वच्छ रखने, जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। आयोजन में यह संदेश दिया गया कि नदियों की स्वच्छता और जल संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। घाटों पर कचरा नहीं फैलाने, प्लास्टिक के उपयोग से बचने और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए जनभागीदारी पर जोर दिया गया।

ओवरटेक करना पड़ा भारी, 16 वर्षीय किशोर की मौत; दो नाबालिग घायल

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। मंडी रोड के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 16 वर्षीय किशोर की जान चली गई, जबकि उसके साथ एक्टिवा पर सवार दो अन्य नाबालिग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि तीनों एक ही एक्टिवा पर बिना हेलमेट सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी एक्टिवा अनियंत्रित होकर हाईवा की चपेट में आ गई। हादसे में बकतरा सिंचाई कॉलोनी निवासी कृष्ण कुमार साहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

ओवरटेक करने के दौरान हुआ हादसा – प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों नाबालिग एक्टिवा से मंडी रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी बीच एक्टिवा अनियंत्रित हो गई और हाईवा की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद कृष्ण कुमार साहू हाईवा के पहिए के नीचे आ गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

दो घायल नाबालिग अस्पताल में भर्ती – दुर्घटना में एक्टिवा पर सवार दो अन्य नाबालिग भी घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। दोनों घायल भी बकतरा सिंचाई कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में एक किशोर की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

हाईवा जब्त, चालक की तलाश में जुटी पुलिस – घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। वहीं, हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

नाबालिगों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल – प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान यह हादसा हुआ। एक ही एक्टिवा पर तीन नाबालिगों का बिना हेलमेट सवार होना भी सामने आया है।

कहानी

दिनेश विजयवर्गीय

कहाँ रहा अब भरोसा

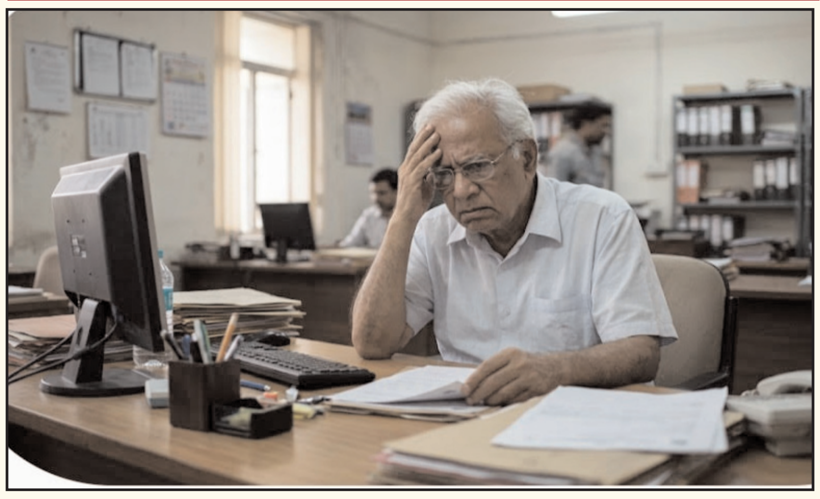

उन्हें निपटते निपटते भी नौ बज गये। वह झल्लाए ' अरे ओ कच्ची प्रेमेंद्र की मां! क्या अभी तक भी खाना नहीं बना क्या? आखिर तुम लोगों ने ....।' वह आगे कुछ और कहते पर सामने उनका बड़ा लड़का प्रेमेंद्र खड़ा था सो चुप्पी साध गये ।

'क्या बात है बाबूजी ?' वह पूछने लगा । पर वह अब गुस्से भरी आवाज में बोल नहीं पा रहे हैं। जानते हैं यदि कुछ और बोला तो चढ़ बैठेगा इसलिए वह दबी ज़ुबान से बोल रहे हैं। 'कोटा जाने वाली बस निकल जाएगी। दस बजे का टाइम है। और खाना अभी तक भी बना नहीं।'

प्रमेंद्र रसोई में जाकर खुद ही खाना परोसने में लग गया। दो रोटी ले पाए थे कि बस का टाइम निकट आ गया।

मुरली जी जेठ की चढ़ती सुबह की धूप में हाथ में बैग लिये कुछ सोचते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। पेंशन हुए इन पांच महीनों में वह घबरा कितने गये हैं ? नौकरी से पेंशन क्या हुई, हर दिन जैसे आर्थिक संकट गहराने लगा । लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं है कि उनकी घर में इज्जत ही न रहे। प्रेमेंद्र आएगा और बिना कोई आदर का सलूक किए बोलने लगेगा । उपमा सबका अच्छा खासा सिरदर्द है । जवान हो गई पर अभी तक शादी भी नहीं हो पाई। वह हर माह लड़का तलाश करने में आज यहां कल वहां के चक्कर लगा रहे हैं । बस वह प्रेमेंद्र की शादी कर पाए और शादी को चार साल भी नहीं हुए कि दूसरा बच्चा होने वाला है । नौकरी भी तो -तीन साल से एक निजी स्कूल में करने लगा है । लेकिन अब बोलेगा तो ऐसे जैसे कोई नवाब बोल रहा हो। पहले बस स्टैंड तक छोड़ने के लिए साइकिल पर बिठाकर ले जाता था। लेकिन आज पूछा तक नहीं । उसकी मां भी कौन सी ध्यान देने लगी है। पहले वह सोचा करते थे दिन भर मस्त रहेंगे और जी चाहेगा वहां जाएंगे। लेकिन वह ऐसा कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

वह बस में बैठ गए। बस उनके बैठते ही रवाना हो गई। उन्हें लगा जैसे वह उनकी ही प्रतीक्षा कर रही थी।

वह सोचने लगे कितना अच्छा होता है वह लेखक होते। तब वह ताजा घटनाओं पर लेख लिख सकते थे। अपने विचारों को किसी भी प्रिय पत्र पत्रिका में प्रकाशित करवा देते। और समय पर वह लोकप्रिय लेखक बन जाते। संपादक भी नाम देखकर सधन्यवाद स्वीकृत कर लेता । इस तरह आज वह अपने लेखन कार्य से कुछ मानदेय भी प्राप्त करते रहते। इसके चलते वह खर्च के लिए खुले हाथ रहते ।

कंडक्टर ने पूछा ' कहां जाना है ?' यह सुन वह चौंक से गये। पर अपने आप को व्यस्त भाव से प्रस्तुत करते हुए बोले 'कोटा।'

कुछ ही देर में पास में बैठी वह गांव वाली औरत उतर गई तो खिड़की के पास वाली सीट उनको बैठने के लिए मिल गई । अब उन्हें ठंडी हवा से राहत मिलने लगी थी। इजी होकर वह अपने विचारों में घुलने लगे। वह सब से पहले ईसी बाबू से ही मिलेंगे । उनसे ही मिलना ठीक रहेगा। और यदि गोल कमरे में गए तो एकाउंट्स वाले विनोद बाबू से मिलेंगे । लेकिन वहां जाकर वह केवल इन दो व्यक्तियों से ही तो मिलकर नहीं रह जाएंगे ? आखिर वह इस ऑफिस में वर्षों ओएस रहे हैं। सारा स्टाफ उनकी देखरेख में काम करता था । कई को दूर दराज से अपने कार्यालय में लाने में वह प्रमुख सहयोगी रहे। उन्हें सभी अपने से लगने लगे और लगा कि उनका काम जाते ही हो जाएगा। पत्नी से जाकर कहेंगे देखो ऐसा है मेरा प्रभाव और व्यवहार ।

कोटा के बस स्टैंड पर उतर आगे बढ़ने लगे तो आटो वाले ने पूछा 'कहां चलना है बाबूजी ?' पर वह बिना कोई जवाब दिए आगे बढ़ते रहे। अब ? वह एक रुपया खर्च करने पर भी सोचने लगे थे, सो पैदल ही धूप की तेजी से बचते बचाते पेड़ों की छाया में आगे बढ़ते जा रहे थे।

जैसे ही घर पहुंच कर बताऊंगा की पेंशन का सारा काम एक ही दिन में पूरा हो गया और अगले माह से ही उन्हें पेंशन मिलने लगेगी । बीमें की मिलने वाली रकम भी जल्द ही मिल जाएगी। यह जानकर सबको बहुत खुशी होगी। सबसे अधिक खुशी प्रेमेंद्र की मां को होगी, क्योंकि अब वह बेटी की शादी ठीक-ठाक हो सकेगी। पेंशन प्रकरण के जल्द ही निपटने पर उन्हें घर पर यह बताने का अवसर भी मिल जाएगा कि उनका कितना रेस्पेक्ट है अभी भी उनके ऑफिस में। वह गर्व से कहेंगे देख लिया ना प्रेमेंद्र की मां एक ही दिन में हुआ है सारा काम ।

वह मन ही मन अपने बारे में सोचते खुश होते , ऑफिस के बाहरी गेट के पास पहुंच गये। नीम के पेड़ की छाया में खड़ा हुआ जग्गू भाई का चाय का ठेला । अंदर चार दीवारी से लगा कैंटीन । जहां से चाय के कप गिलासों की खनखनाहट उन्होंने सुनी तो उन्हें अपने लंच के दिन याद आने लगे। उनका ऑफिस में रोब दोष अच्छा था। कोई भी बाबू लंच टाइम से पहले लंच के लिए नहीं निकलता और समय पर लौट कर आता था। ऑफिस काम में अलसायापन नहीं था।

? जग्गू ने उन्हें देख लिया तो सलाम किया और मुस्कुराता हुआ कहने लगा 'बाबूजी आओ चाय पीकर जाओ।' वह जग्गू से मना कर रहे हैं 'नहीं भाई , जरा जल्दी में हूं।'

वह आफिस के बड़े गोल कमरे में पहुंचे तो ग्यारह बज चुके थे। कमरे की सब ट्यूब लाइटें जली हुई थीं। वह खुश हुए कि सब लोग आए हुए हैं। कुछ पल उन्होंने गेट के पास से सबका मुआयना किया। जैसे अब भी वह अपना समय ही समझ कुछ कहेंगे ।

कांति बाबू टाइप कर रहे हैं । गुलजार बाबू गर्दन झुकाए और फाइलों के ढेर में फंसे हुए हैं। ईसी बाबू शायद कहीं गए हुए हैं उनकी अलमारी खुली हुई है । दूसरी और देखा अकाउंट वाले विनोद बाबू इजी होकर सिगरेट पी रहे हैं। उन्होंने अंदर कदम रखने से पहले सोचा कि वह विनोद बाबू से ही पहले मिलेंगे । वही उनका काम पूरा कर पाएंगे।

'कहिये क्या हाल-चाल हैं ?' कहते हुए वह सीधे विनोद बाबू की सीट पर पहुंच गए। विनोद बाबू परिचित आवाज सुन चौंक से गये। उन्हें देख नमस्ते की। पर जैसे ही उन्हें आशा थी कि उन्हें देख कर वह सिगरेट बुझा देंगे और उनके रेस्पेक्ट में खड़े होंगे,पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

सामने की कुर्सी पर उनसे बैठने के लिए कह विनोद बाबू जल्दी-जल्दी सिगरेट पूरी करने लगे। वह चुप्पी साधे हुए थे। कुछ क्षणों में मिस लता भी चली गई। विनोद बाबू ने लता को जाता देख उनसे कहा 'आप बैठिए, हम लोग पन्द्रह मिनट में आते हैं ।' इतना कह विनोद बाबू भी उसके पीछे हो लिये।

?वह अकेले रह गए । उन्हें लगा कि जैसे उन्हें नो लिफ्ट देकर अपेक्षित कर दिया हो । वह थे तब उनका कैसा रेस्पेक्ट था यहां ! और आज नौकरी से निवृत्त होने के बाद पहली बार आने पर भी कोई लगाव नहीं है । यदि आज वह अपना कार्य पूरा नहीं कर पाए तो उन्हें घर पर भी कितना सुनना पड़ेगा । प्रेमेंद्र की मां कहेगी 'लो साहब जी, खाली हाथ लौट आए । अब रिटायरमेंट के बाद कौन किसे पूछता है ?'

तभी एक कप चाय लिए ऑफिस का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तुलसीराम आया । उसने नमस्ते की और उनसे 'अच्छा तो हो बाबूजी!' कहकर लौटने लगा तो उन्होंने पूछ ही ? लिया 'आज क्या कोई विशेष बात है ?' वह चाय पार्टी के लिए बोल रहे थे । वह मुस्कराया फिर अपने को व्यस्त बनाते हो बोला ' मिस लता की सगाई हुई है, उसी की चाय पार्टी है ।'

उन्होंने चाय पीते हुए सोचा, क्या यही समय रह गया चाय पार्टी के लिए? अभी तो ऑफिस शुरू ही हुआ है। लंच के समय भी तो किया जा सकता था यह सब। वह थे तब ऐसा नहीं हुआ करता था। उन्हें ध्यान आया कि पिछले दिनों उन्होंने किसी अख बार में कहीं पढ़ा था कि एक कर्मचारी को रिटायर में एक वर्ष हो गया और अब तक बीस शिकायती पत्र भी दे चुका है पर अभी तक पेंशन केस नहीं बना।

वे सब लोग आ गए। विनोद बाबू ने उन्हें बताया कि 'पेंशन केस अभी पूरा नहीं बन पाया। पुराना रिकॉर्ड ठीक से देखकर बना पाएंगे। करीब एक महीना और लगेगा।'

कविता — गुलमोहर..

रिया मनोज

गुलमोहर का मौसम
हर साल आता है,
मगर हर बार
दिल को पहली
मोहब्बत जैसा लगता है।

वो पेड़
धूप से लड़ता नहीं,
बस उसके बीच
इतना खिलकर जीता है
कि तपिश भी खूबसूरत लगने लगती
है।

उसके लाल फूल
ऐसे लगते हैं
जैसे किसी ने
जलते आसमान पर
इश्क़ लिख दिया हो।

लोग कहते हैं
गुलमोहर बहुत कम दिनों तक खिलता
है,
पर शायद खूबसूरत चीज़ें
ज़्यादा देर ठहरने के लिए नहीं होतीं —
बस याद बन जाने के लिए होती हैं।

और फिर तुम आए...

तुम्हारी हँसी में वही खिलापन था,
तुम्हारी बातों में वही ठंडी छाँव,
और तुम्हारी मौजूदगी में
वही सुकून
जो एक थका हुआ मुसाफ़िर
गुलमोहर के नीचे बैठकर महसूस
करता है।

तुम्हें देखकर
मुझे हमेशा यही लगा
कि अगर मोहब्बत का कोई रंग होता,
तो वो गुलमोहर के फूलों जैसा होता
—
थोड़ा आग सा,
थोड़ा बारिश सा,
और पूरी तरह दिल जैसा।

अब जब भी कहीं
गुलमोहर खिलता दिखता है,
मैं फूल नहीं देखती...
गुलमोहर में हमारा इश्क़ देखती हूँ।

**सह-संस्थापक एवं निदेशक,
जयपुर आइकॉन,जयपुर**

लघुकथा — भेड़िया

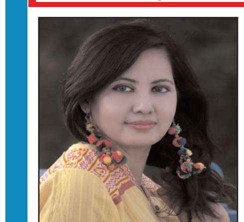

प्रियंका गुप्ता

माँ अक्सर अपने नन्हे-से मेमने को समझाती...घर के बाहर दूर तक अकेले न जाना। घना, अन्धेरा...बिल्कुल काला जंगल...जिसमें खुंख़्वार जंगली जानवर बसते हैं। बाकी तो तब भी ठीक हैं...शायद बख़्श भी दें, पर भेड़िया वह जीव है, जिससे उसे सबसे ज़्यादा होशियार रहना है। अपनी आँख-नाक-कान सब खुले रखने हैं। माँ जब काम पर जाए तो दरवाज़ा बन्द कर के घर के अन्दर ही रहना है। मेहमान का भी भरोसा नहीं करना है बिल्कुल। दूर से भी कहीं भेड़िया छुपे होने का शक़ हो, तो तुरन्त भाग कर घर में घुस के दरवाज़े-खिड़कियाँ मजबूती से बन्द कर लेने हैं।

माँ ने दुनिया देखी थी, जंगल देखा था...वो सब जानती थी। मेमना माँ की सब बात मानता था। ये बात भी मानी। इस लिए अब वह अकेले कहीं नहीं जाता था...किसी अजनबी तो दूर, जानने वाले से भी ज़्यादा बात नहीं करता था। माँ के जाते ही मजबूती से घर के सब खिड़की-दरवाज़े बन्द कर लेता था।

एक दिन माँ जब काम से लौटी, मेमना कहीं नहीं मिला। मिले, तो बस्स खून के कुछ कतरे। माँ नहीं समझ पा रही थी कि उसके इतने आज्ञाकारी बच्चे का शिकार आखिर हुआ कैसे... ? समझ तो शिकार होने तक मेमना भी नहीं पाया था।

माँ उसे घर के भेड़िए के बारे में बताना जो भूल गई थी।

पुस्तक समीक्षा

बहुआयामी दृष्टि वाले गीत

सुधा देवरानी

जिज्ञासा सिंह का गीत-संग्रह 'नक्षत्रों ने दीप जलाए' उनके रचनात्मक संसार की संवेदनशील अभिव्यक्ति है। 81 गीतों के इस संग्रह में जीवन के विविध अनुभवों, प्रकृति, प्रेम, आस्था, संघर्ष, सामाजिक सरोकारों और आत्मचिंतन को गीतात्मक संवेदना के साथ अभिव्यक्त किया गया है। कवयित्री के लिए गीत केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि जीवन-यात्रा के सहचर हैं। उनके आत्मकथ्य में गीतों को नियोजक, संयोजक और मार्गदर्शक जैसे मित्रों के रूप में देखने की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। इन गीतों में आस्था है तो प्रश्न भी हैं, प्रकृति का सौंदर्य है तो उसके बदलते स्वरूप की चिंता भी; प्रेम की कोमलता है तो संबंधों की टूटन का दर्द भी। कहीं संघर्ष है तो कहीं उसी के बीच आशा और आगे बढ़ने की आकांक्षा। यही विविधता इस संग्रह को जीवन के अनेक पक्षों से संवाद करने वाली कृति बनाती है।

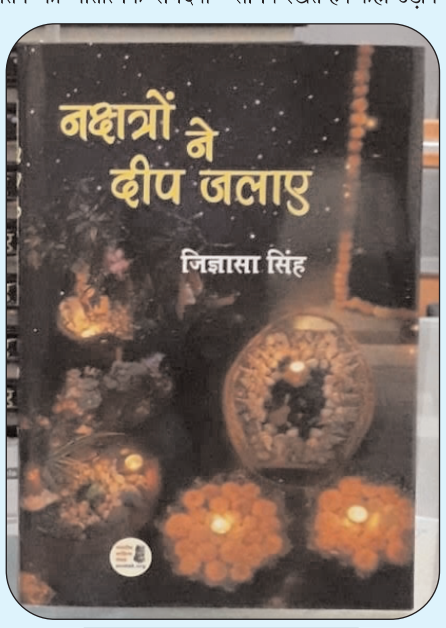

पुस्तकः नक्षत्रों ने दीप जलाए
रचनाकारः जिज्ञासा सिंह
विधाः गीत-संग्रह
कुल गीतः 81
प्रकाशकः भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर
मूल्यः 320

संग्रह का आरंभ 'सरस्वती वंदना' से होता है। कवयित्री ज्ञान और सृजन के साथ जीवन में त्याग, धैर्य और संयम की कामना करती हैं— 'त्याग धैर्य माँ संयम दे दो/दूर करो तम मन का।'

इन पंक्तियों में अंतर्मन के अंधकार को दूर करने की आकांक्षा है। आस्था यहाँ विवेक और उजास जगाने वाली शक्ति बन जाती है। प्रकृति इस संग्रह की महत्वपूर्ण संवेदनाओं में से एक है। कहीं वह मन को रिझाती है तो कहीं उसके साथ हो रहे व्यवहार को लेकर चिंता व्यक्त करती है। 'बूँद का अभिशाप मत लो' में जल और धरती के संबंध को लेकर कवयित्री की चिंता मुखर होती है—

'धरती छल-छल जरी है
उर्वरा मुँह बल परी है।'

जिस गीत की पंक्ति पर संग्रह का शीर्षक आधारित है, उसमें अंधकार के बीच प्रकाश की सुंदर कल्पना सामने आती है,

'नक्षत्रों ने दीप जलाए/ उतर मेरे नैनों में आए।'

नक्षत्रों और दीप का यह बिंब अँधेरे के बीच उजाले की तलाश का प्रतीक बन जाता है और शीर्षक को अर्थवत्ता प्रदान करता है।

जीवन की चुनौतियों और उनसे जूझते हुए आगे बढ़ने की आकांक्षा भी संग्रह में दिखाई देती है। 'नूतन दिन नूतन संघर्ष', 'बाज जैसे पंख होते काश' और 'तुम अकेले हो मगर विचलित न होना' जैसे गीत इस मनोभूमि को अलग-अलग कोणों से सामने रखते हैं। कहीं उड़ान की आकांक्षा है तो कहीं संघर्ष और अकेलेपन में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा। इन गीतों में आशावाद जीवन के अनुभव से उपजी अनुभूति के रूप में आता है।

प्रेम, प्रतीक्षा, स्मृति और संबंधों की कोमल अनुभूतियाँ भी संग्रह में अपना स्थान बनाती हैं। 'सखि! सुन लो प्रीतम के घर मुझको जाना है' और 'नेनों में नीड़ बनाया है' जैसे गीत प्रेम की आत्मीयता को सामने लाते हैं। वहीं संबंधों के दूसरे पक्ष में दूरी और टूटन की पीड़ा भी दिखाई देती है—

'जब पैसे से प्यार खरीदा
टूटा दिल व्यवहार खरीदा।'

जिज्ञासा सिंह के गीतों में अपने समय और समाज को लेकर सजग दृष्टि भी दिखाई देती है। 'शांति की अवरुद्धता खतरा बड़ा है' और 'चेतना ही शून्य होती जा रही है' जैसे गीत सामाजिक परिस्थितियों और मानवीय चेतना से जुड़े प्रश्नों को सामने रखते हैं। इस कारण गीत अपने आसपास के संसार से भी संवाद करते हैं।

संग्रह की भाषा सहज और भावानुकूल है। प्रकृति, प्रकाश, अंधकार, आकाश, नक्षत्र, बादल और नदी जैसे बिंबों के माध्यम से कवयित्री ने भावों को दृश्यात्मकता प्रदान की है।

संग्रह में भावों और विषयों की विविधता दिखाई देती है। कहीं-कहीं विचारों की प्रधानता गीत के भाव-पक्ष पर कुछ अधिक मुखर होती प्रतीत होती है। यदि ऐसे प्रसंगों में कथ्य को थोड़ा और संक्षिप्त तथा कसावपूर्ण रखा जाता, तो गीतात्मक प्रभाव और अधिक निखर सकता था।

व्यंग्य

आपको पुरस्कार क्यों दिया जाए ?

प्रभात गोस्वामी

आज अखबार में किसी साहित्यिक संस्था की विज्ञप्ति देखी । पुरस्कार के लिए लिखा था- हमारी संस्था इस वर्ष साहित्यिक पुरस्कार देने जा रही है । इसके लिए आपको अपनी कोई किताब अथवा बेहतरीन रचना भेजने की आवश्यकता नहीं है । सीधे 'वाक इन इंटरव्यू', के लिए चरणदास मार्ग पर होटल चकरघिन्नी के कमरा नंबर-420 में आना है । कमरा नंबर देखकर शंका न करें, बड़े-बड़े शहरों में ऐसा ही होता है ।

वैसे आजकल चार सौ बीसी में इतनी ईमानदारी होती है, जितनी ईमानदारी में भी नहीं होती ।' हमारा सर चकराने लगा। लेकिन पुरस्कार की गोली किसी भी सिर दर्द की गोली से जल्दी और प्रभावी असर करती है ।

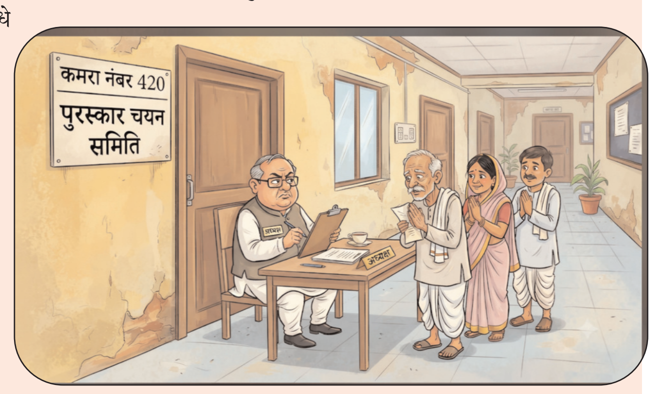

बहरहाल, हम सीधे होटल चकरघिन्नी पहुँच गए । बहुत सारे साहित्यकार वहाँ अपने-अपने चेहरे पर वरिष्ठता के भाव चिपकाए एक-दूसरे को भाव नहीं दे रहे थे । कुछ ही देर में हमारा नंबर आया । कक्ष में घुसते ही सामने बैठे साक्षात्कार मण्डल के समक्ष मुस्कराते हुए सबका का सादर अभिवादन किया । हमें बैठने को कहा गया ।

' आप इतना क्यों मुस्करा रहे हैं ? क्या आपको लग रहा है कि पुरस्कार के लिए आपके नाम पर सहमति बन गई है ?' हम कुछ असहज होते हुए गंभीर हो गए । इस पर अगला बाण चला ।

' इतने गंभीर क्यों हो गए हो महोदय ,हमने आपको पुरस्कार के लिए अस्वीकार भी तो नहीं किया ?'

' श्रीमान आप ही बताइए कि मुस्कराएं भी नहीं, गंभीर भी नहीं हों तो क्या करें ?' हमने सामने विराजमान विशेषज्ञ से पूछा ।

' भाई, आप व्यंग्यकार हैं । जैसे व्यंग्य में हास्य का मिश्रण करते हैं, वैसे ही रहें । सोलह दांतों से हँसिये ,सोलह दांतों से गंभीर बने रहें ।' साक्षात्कार मण्डल के अध्यक्ष उवाचे।

' क्या करें आजकल हंसने-रोने के भी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं ! वैसे आपने कैसे जान लिया कि मैं व्यंग्यकार हूँ ?'

' जी, हमारी सीसी टीवी में देखा । आप स्वागत कक्ष से साक्षात्कार कक्ष तक सबसे बचते-बचाते जो आ रहे थे ! सांप भी मारना चाहते हैं और लाठी भी नहीं तोड़ना चाहते ! आपने नमस्कार भी झुक कर नहीं किया। खैर, बताइए आपको पुरस्कार क्यों दिया जाए

' जी हर अच्छे लेखक की चाहत होती है कि उसे पुरस्कार मिले ।'

' क्या किसी के चाहने मात्र से ऐसा संभव हो जाता है ?'

'समय कम है, कृपया बताएं कि आप कितने साहित्यिक समूहों में शामिल हैं ? कब से साधना कर रहे हैं ? आपके कितने पिता हैं ?' आप किस विचारधारा,किस दल के समर्थक हैं ? मार्केटिंग जानते हैं ? आपकी खरीद क्षमता और आपके जूते के नंबर के बारे में भी बताएं ?' तेज गेंदबाज़ बुमराह के बाउन्सर एवं यॉर्कर की मानिंद एक साथ कई सवाल दागे गए ।

' जी कितने बेतुके सवाल पूछे हैं ? पिता तो एक ही होता है । मैं पचास सालों से साधना कर रहा हूँ। बहुत से गुटों में भी निर्गुट हूँ । मार्केटिंग नहीं जानता । मेरे जूते के नंबर आठ हैं ।' हमने गुस्से से जवाब दिए । जी किया उठ जाऊं पर कुर्सी पर पुरस्कार की गोंद से चिपके होने की वजह से उठ नहीं पाए ! क्या-क्या न सहे हमने सितम पुरस्कार की खातिर ।

' लगता है जीवन में पहला साक्षात्कार दे रहे हो । सफलता पाने के लिए कई पिता होते हैं- जैविक पिता के अलावा साहित्य में आप जिनके मानस पुत्र हैं । तीसरे सामूहिक पिता जो साहित्यिक समूहों में कई-कई लेखक पुत्रों को पुरस्कारों के लिए जन्म देता है। दफ्तर में भी....।' हम सुन्न हो गए थे , काटो तो खून नहीं ।

'आप लंबे समय से साहित्य साधना कर रहे हैं । पुरस्कार के लिए समिति के अध्यक्ष ,सदस्यों को साधना पड़ता है। कई बार सम्मान खरीदना भी पड़ता है। वैसे आपके जूते के नंबर भी हमारे पुरस्कार समिति के प्रदाता से अधिक हैं ।' हम सामने से आए बाउन्सरों से घायल हो चुके थे । ' महोदय मैं अच्छा लेखक हूँ , सक्रियता से लिख रहा हूँ। देश के विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों,पत्रिकाओं में निरंतर छपता हूँ । पाठकों का अपार स्नेह मुझे मिल रहा है ।' धैर्य के टूटे हुए बांध में बहते हुए हमने जवाब दिया।

उफ़ , आप अच्छे लेखक हैं पर साहित्य के पिच पर अनफ़िट हैं। किसी अच्छे ट्रेनर के पास जाएं। यहाँ पधारने के लिए धन्यवाद ।

**15/27 मालवीय नगर, जयपुर -302017
मोबाइल : 9829600567**

नवगीत — दूर हुए खिलौने

अशोक आनन

बच्चों से -
दूर हुए खिलौने ।
छुटपन में -
छुटपन बड़ा हो
गया ।
घुटनों से -
पाँवों पर खड़ा हो गया ।
नींदों में -
टूटे स्वप्न सलौने ।

धूप में -
काग़ज़ की नावें झुलसीं ।
ज़िंदगी -
औरों के हाथ पतंग - सी ।
नभ है ऊँचा -
हैं पंछी बौने ।

तितलियाँ -
फूलों को खोज रही हैं ।
कलियाँ -
गुलशन को बोझ रही हैं ।
बिछे छाँव में -
धूप -बिछौने ।

कहाँ गये -
बचपन के वे दिन छिछोरे ।
पृष्ठ हैं -
जिनकी यादों के कोरे ।
हाथ रहे न -
वो रस के दोने ?।

**जूना बाज़ार , मक्सी जिला - शाजापुर (म.प्र.)
मोबाइल - 9977644232**

कविता — अंतिम मित्र

राजीव डोगरा

आखिरी दोस्त
आखिरी उम्मीद हो
तुम।
जीवन के अंतिम
अध्याय की
अंतिम कड़ी हो तुम।
मोह का पाश नहीं
स्नेह का अंतिम चरण हो तुम।
मेरे अंतिम जीवन की
अंतिम स्पष्ट किरण हो तुम।
मेरे अधूरे जीवन की
अंतिम मुस्कुराहट हो तुम।
सब कुछ खो जाने के बाद भी
मेरे अंतिम जीवन का
मधुर एहसास हो तुम।
थक सा गया था मैं
युगों के इंतजार के बाद
मेरे अंतिम जीवन के
अंतिम समय का
मोक्ष का आधार हो तुम।

**हिंदी अध्यापक,कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
पता-गांव जनयानकड़ - 176038**

बाल कविता — बरगद..

निमिषा सिंघल

बरगद का इक पेड़
पुराना,
जैसे कोई बूढ़ा नाना।

लंबी-लंबी दाढ़ी
वाला,
हरी घनी-सी पगड़ी वाला।

बड़े तने के कुर्ते वाला,
ढेर सारी भुजाओं वाला।

बंदर कूदें करें उत्पात
खींचे डाली और पात-पात।

चीखे चिड़िया,गाए गान,
कूदें गिलहरियाँ बन पहलवान ।

लगता सब नाना के नाती,
सब के सब ज्यों बने बाराती ।

अपनी मस्ती में इठलाते
बालों को भी खींचे जाते।

नन्हे बच्चे शोर मचाते
बरगद जी तब ख़ुश हो जाते ।

बरगद तो है बूढ़ा नाना
इनका कहना किसने माना।

कभी-कभी लगता गुस्सा हो,
जोरों से केवल हँसता हो।

बच्चे जब भी थक जाते हैं ,
बरगद जी तब मुस्काते हैं।

लोरी दे उन्हें सुलाते
पत्तों की चादर को उढ़ाते ।

बरगद तो बूढ़ा नाना है
हमने तो ऐसा माना है।

आगरा उत्तरप्रदेश

खेल मैदान में कोई हारता नहीं, जीतता या सीखता है : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जो खेलता है, वह खिलता है। खेल के मैदान में कोई हारता नहीं, खिलाड़ी या तो जीतता है या कुछ नया सीखता है। यह बातें खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कही।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में आज स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का समापन हुआ। समारोह में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक एवं पार्षद तथा एमआईसी सदस्य तिलकराम साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कहा जाता था कि पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो होगे खराब, लेकिन आज खेल भी सफलता और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त माध्यम बन चूका है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए आगे कहा कि पढ़ाई को ऐसे पढ़ें कि वह खेल बन जाए और खेल को ऐसे खेलें कि वह पढ़ाई बन जाए। साहू ने श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि इंसान को हमेशा अपने कर्म करते रहना चाहिए और फल की चिंता नहीं करना ही जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र है। खेल का मैदान भी कर्मयोग की पाठशाला जैसा है, जहां खिलाड़ी परिश्रम, समर्पण और निरंतर प्रयास का महत्व सीखता हैं। सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक विकास अत्यंत आवश्यक है। खेल बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, खेल प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलो इंडिया पहल से देश की खेल प्रतिभाओं को नई दिशा और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। आज छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। एशियाई खेलों में देश की बेटियों सहित अन्य खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में खेलों को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

रोमांचक मुकाबले में बिलासपुर ने फहराया जीत का परचम रायपुर को एक अंक से पछाड़ा - प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। जहाँ बिलासपुर संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 अंक अर्जित कर ओवरऑल चैंपियनशिप जीती वहीं रायपुर संभाग 56 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर उपविजेता रहा। बस्तर संभाग को 39, दुर्ग को 31 और सरगुजा संभाग को 8 अंक प्राप्त हुए। हॉकी के 19 वर्ष आयु वर्ग में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में दुर्ग संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी के 19 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर संभाग विजेता रहा, जबकि तीरंदाजी में बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का दबदबा रहा।

10 दिनों होगा शारदीय नवरात्र

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शक्ति साधना का महापर्व शारदीय नवरात्र 11 अक्ट्रबर, रविवार से प्रारम्भ होकर 20 अक्ट्रबर, मंगलवार तक रहेगा। इस वर्ष नवरात्र में तिथि की वृद्धि होने के कारण यह महापर्व 10 दिनों तक चलेगा। अष्टमी तिथि दो दिन व्याप्त रहने से भक्तों को शक्ति की अधिष्ठात्री ' मां भगवती की भक्ति का विशेष अवसर प्राप्त होगा।

19 अक्टबर की रात की जाएगो संधि पूजा ज्योतिषाचार्य पं.दीनदयाल शास्त्री (दीनू महाराज जी) ने बताया कि नवरात्र में महाअष्टमी तिथि समाप्त और महानवमी तिथि के आरंभ को संधिकाल कहा जाता है। अष्टमी के अंतिम 24 मिनट और नवमी के शुरुआती 24 मिनट मेंसंधि पूजा होती है। संधि प्रजा '19 अक्टूबर सोमवार को सुबह 10-27 बजेसे 11:15 बजे तक रहेगी। मान्यता है कि इसी संधिकाल में माता दुर्गाने चामुंडा रूप धारण कर चंड और मुंड असुरों का वध किया था।

नवरात्र के पहले दिन घटस्थापना का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष नवरात्र के प्रथम दिन परे समय चित्रा नक्षत्र और वैधति योग की उपस्थिति रहेगी। धार्मिक ग्रंथों में इन योगों के दौरान कलश स्थापना करना वर्जित माना गया है। ऐसी स्थिति में अभिजित मुहर्त में देवी स्थापना 'करना शास्त्रसम्मत और सर्वोत्तम माना जाता है। कलश स्थापना के लिए अभिजित मुहूर्त

देवी आराधना का महापर्व 1 1 अक्टूबर से शूरू होकर 20 अक्टूबर तक रहेगा

प्रतिपदा पर सूबह 11:20 से 12.:07 के बीच कलश स्थापना का अभिजित मुहत

सबह 11:20 से 12:07 के मध्य है। सर्वज्ञ ज्योतिष परामर्श ज्योतिष पं. दीनदयाल शास्त्री ने बताया कि नवरात्र का आरंभ रविवार को होने के कारण मां दुर्गा का आगमन 'हाथी' पर हो रहा है.

जो अत्यधिक वर्षा और प्राकतिक समद्धिका प्रतीक है। समापन मंगलवार को होने से भगवती का गमन ' (कक्कूट) पर होगा। 20 अक्ट्रबर को विजयादशमी और 21 को नवरात्र व्रत का पारण होगा।

शिवरीनारायण दशहरा मेले की व्यवस्थाओं का कलेक्टर और एसपी ने लिया जायजा

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक एवं व्यापारिक नगरी शिवरीनारायण में आयोजित दशहरा मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने कलेक्टर जनमेजय मोहबे और पुलिस अधीक्षक विजय पांडे मेला स्थल पहुंचे। उनके साथ एडीएम, तहसीलदार और नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल थवाईत , के साथ दुर्गा सेवा समिति के सदस्य रितेश केसरवानी भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की आवाजाही, प्रवेश-निकास मार्ग, दुकानों, पार्किंग, पेयजल, प्रकाश, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने नगर पंचायत और संबंधित विभागों को नियमित सफाई, पर्याप्त पेयजल, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा अस्थायी दुकानों और ठेलों को निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर कमियों का तत्काल निराकरण करने को कहा।

एसपी ने भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल और बैरिकेडिंग लगाने, यातायात सुचारु रखने, निर्धारित पार्किंग व्यवस्था लागू करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया।

अधिकारियों ने मेला समिति और स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों को समन्वय से काम करने के निर्देश दिए, ताकि मेले में स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात और आपातकालीन सेवाएं प्रभावी बनी रहें।

बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र में अवैध रेत पर कार्रवाई, 3 हाइवा, 1 जेसीबी एवं 1 लोडर जब्त

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज तहसील बम्हनीडीह अंतर्गत अवैध रेत परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए कुल 3 हाइवा, 1 जेसीबी एवं 1 लोडर सहित 5 वाहनों एवं मशीनों को जब्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार प्रशांत पटेल सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

सिद्धांतों पर अडिग रहे 'देहाती', उनका जाना समाज और पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षतिः अधिवक्ता चितरंजय पटेल

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय अघरिया समाज सक्ति क्षेत्र ने अघरिया समाज खरसिया क्षेत्र के केंद्रीय प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पत्रकार गोपाल कृष्ण नायक 'देहाती' के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस दौरान समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों ने उनके योगदान और जीवन मूल्यों को याद किया।

अखिल भारतीय अघरिया समाज सक्ति के केंद्रीय प्रतिनिधि एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने स्वर्गीय गोपाल कृष्ण नायक के जुझारू व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में जब शहरी क्षेत्र के तथाकथित पत्रकारों ने गोपाल कृष्ण को 'देहाती' कहकर नीचा दिखाने और तिरस्कृत करने का दुस्साहस किया था, तब उन्होंने इसे कमजोरी मानने के बजाय अपनी ताकत बना लिया। उन्होंने 'देहाती' शब्द को ही अपना तख़ल्लुस (उपनाम) स्वीकार किया और इसी नाम से पत्रकारिता के क्षेत्र में एक बेमिसाल मुकाम हासिल किया? अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने आगे कहा कि स्वर्गीय गोपाल कृष्ण नायक समाज, राजनीति या पत्रकारिता, हर क्षेत्र में विपरीत से विपरीत परिस्थितियों के बीच भी हमेशा अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे।

हैंडपंप की बदहाल स्थिति, मरम्मत के अभाव में ग्रामीणों को हो रही है परेशानी

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। ग्राम पंचायत बरगांव के आश्रित ग्राम पिपरा मे हैंडपंप की बदहाल स्थिति सामने आई है। तस्वीर में हैंडपंप का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिरा हुआ दिखाई दे रहा है। आसपास का चबूतरा भी टूटा हुआ है और हैंडपंप के पास गड्ढा बना हुआ है। ऐसी स्थिति में हैंडपंप का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप पेयजल का एक महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में हैंडपंप खराब होने से स्थानीय लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई, तो परेशानी और बढ़ सकती है।

ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग

स्थानीय स्तर पर खराब हैंडपंपों की नियमित जांच और समय पर मरम्मत कराना आवश्यक है। संबंधित ग्राम पंचायत एवं जिम्मेदार विभाग को इस ओर ध्यान देकर हैंडपंप की स्थिति का निरीक्षण कराना चाहिए तथा आवश्यक मरम्मत कराकर इसे उपयोग योग्य बनाने की पहल करनी चाहिए। अब देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर कब तक ध्यान देते हैं और हैंडपंप की मरम्मत के लिए क्या कदम उठाते हैं।

सामरी विधायक ने घटगांव में पहाड़ी कोरवा परिवारों को कराया गृह प्रवेश

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री जनमन योजना से साकार हो रहा है। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने आज राजपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत घटगांव में पीएम जनमन आवास योजना से बने नए आवासों का फीता काटकर तीन पहाड़ी कोरवा परिवारों को गृह प्रवेश कराया। इनमें शिवधर पहाड़ी कोरवा, दिलसाय पहाड़ी कोरवा और लल्लू पहाड़ी कोरवा के परिवार शामिल हैं।

गृह प्रवेश के बाद विधायक पैकरा ने पहाड़ी कोरवा परिवारों और माताओं-बहनों से आत्मीय संवाद कर उनके सुख-दुख की जानकारी ली। उन्होंने परिवारों से शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ लेने का आग्रह किया। पक्के घर मिलने से खुश पहाड़ी कोरवा परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राजपुर संजय दुबे, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी/कर्मचारीगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तंबाकू बिक्री पर सख्ती विद्यालयों एवं दुकानों में चलाया गया जागरूकता अभियान

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा दिए गए आदेश अनुसार एवं सीएमएचओ डॉ पूजा अग्रवाल के निर्देशन में ब्लॉक डभरा के चंद्रपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ,स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग के संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा कोटपा एक्ट 2003(सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003) के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई में डीपीएम कीर्ति बड़ा के मार्गदर्शन व जिला नोडल अधिकारी एनटीसीपी डॉ प्रिया इक्का के सहयोग से औषधि निरीक्षक प्रतिमा राजपूत द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज के दायरे में आने वाले विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में कोटापा एक्ट 2003 की धारा 4 सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध धारा 6 अ नाबालिकों के तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर प्रतिबंध व धारा 6 ब शैक्षणिक संस्थाओं के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध के अंतर्गत कुल 12 चालान काटे गए।

चिकित्सा हब के रूप में विकसित होगा कोनी, लगभग 1440 करोड़ की लागत से बनेगा सिम्स का नया एकीकृत परिसर

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर का कोनी क्षेत्र चिकित्सा शिक्षा और आधुनिक उपचार सुविधाओं के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होगा। यहां लगभग 1440 करोड़ रुपये की लागत से सिम्स के नए एकीकृत कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा। इसी परिसर में छात्रावास, फिजियोथैरेपी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज भी बनाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कोनी स्थित स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव स्मृति सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निरीक्षण तथा प्रस्तावित सिम्स भवन के स्थल निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपचाररत मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उपचार के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ सिम्स के नए भवन के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। और बताया कि छात्रावास भवन का निर्माण 50 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। एक ही परिसर में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थानों और उपचार सुविधाओं के विकास से कोनी क्षेत्र चिकित्सा हब के रूप में उभरेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 100 बिस्तरों वाले सेंदरी मानसिक अस्पताल की क्षमता बढ़ाकर 200 बिस्तर कर दी गई है। क्षेत्र में 100 करोड़ कि लागत से आयुर्वेदिक कॉलेज का निर्माण भी जारी है। इसी परिसर में कैंसर अस्पताल का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर है। इन सुविधाओं से बिलासपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कोनी में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से बिलासपुर सहित पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

पदोन्नति और स्थानांतरण के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग में विदाई

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) भानुप्रतापपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति और स्थानांतरण के बाद विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ बिताए कार्यकाल की यादें साझा कीं और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

विभाग में हुए स्थानांतरण एवं पदोन्नति के तहत कई अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें बी.के. गोठी का कार्यपालन अभियंता के रूप में भानुप्रतापपुर में पदस्थ होना, ए.के. मिलिंद का दरभा-जगदलपुर, एस.के. गणवीर का रायपुर तथा नितिन शिवहरे का पदोन्नति के बाद एसडीओ के रूप में दंतेवाड़ा में पदस्थ होना शामिल है। इसी क्रम में विकास देहरी का एडीएम नारायणपुर, पुरुषोत्तम साहू का ट्रेसर के पद पर नारायणपुर तथा वी.के. बांगर का एसडीओ के रूप में पखांजूर में स्थानांतरण हुआ है। कार्यक्रम में उप अभियंता एम.एम. नवाज, श्रवण मरकाम, अमित भारद्वाज, एन.एस. कोमरा एवं गजेन्द्र कोरेटी सहित विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सोना इस हफ्ते 1,200 रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.21 लाख के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोने इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दाम 1,200 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक बढ़ गया। हालांकि, इस दौरान चांदी में मामूली तेजी दर्ज की गई।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,292 रुपए बढ़कर 1,49,430 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,48,138 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,36,878 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 135694 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,073 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,11,104 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 9 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,49,614 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 6 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,47,278 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 280 रुपए बढ़कर 2,21,109 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,20,829 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 5 अक्टूबर को शाम के सत्र में 2,24,157 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 7 अक्टूबर को शाम के सत्र में 2,20,866 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,200 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 60 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी एक दाम इस हफ्ते एक सीमित दायर में रहे। इसकी वजह बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत और कच्चे तेल का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहना है। वहीं, मजबूत डॉलर दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा है।

10 में से 8 फाइनेंशियल प्लानर एआई को अपनाने की कर रहे तैयारीः रिपोर्ट

विश्व केसरी

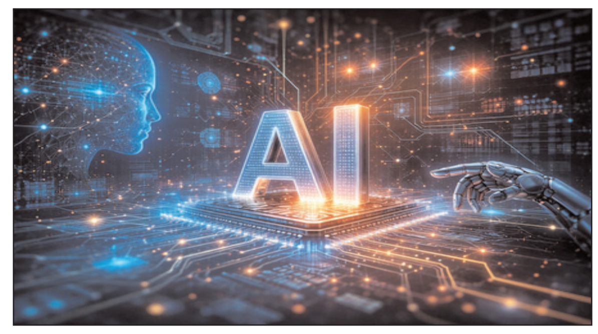

नई दिल्ली। फाइनेंशियल प्लानिंग की 10 में से 8 कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही हैं या अगले 12 महीनों के भीतर इसे अपनाने की योजना बना रही हैं। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 10 में से 6 का था। यह जानकारी शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एफपीएसबी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एआई तेजी से इस पेशे का अभिन्न हिस्सा बन रहा है और पहले से ही काम करने की क्षमता और दक्षता बढ़ाने में मदद कर रहा है। भारत सहित 37 देशों के 8,000 से अधिक फाइनेंशियल प्लानर्स के वैश्विक सर्वेक्षण पर आधारित निष्कर्षों में पाया गया कि 93 प्रतिशत फाइनेंशियल प्लानर ने कामकाज की दक्षता में सुधार महसूस किया, 52 प्रतिशत ने परिचालन दक्षता बढ़ने की बात कही और 49 प्रतिशत ने कहा कि वे अधिक ग्राहकों को सेवाएं देने में सक्षम हैं। एफपीएसबी इंडिया के सीईओ रमेश विश्वनाथन ने कहा, 'एआई वित्तीय जानकारी तैयार करने, उस तक पहुंच बनाने और उसके इस्तेमाल के तरीके को तेजी से बदल रहा है। हालांकि, यह तकनीक दक्षता बढ़ाने और वित्तीय नियोजन तक पहुंच का विस्तार करने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन केवल जानकारी पर्याप्त नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'वित्तीय फैसलों के लिए संदर्भ, विवेक और किसी व्यक्ति के लक्ष्यों, प्राथमिकताओं तथा परिस्थितियों की समझ जरूरी है। जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं को जानकारी को उनकी व्यक्तिगत परिस्थितियों के संदर्भ में समझने और सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करने वाले योग्य वित्तीय नियोजन पेशेवरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।'

करीब 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि एआई उन आबादी के लिए वित्तीय नियोजन तक पहुंच बेहतर बना सकता है, जिन्हें अब तक पर्याप्त सेवाएं नहीं मिल पाती हैं। वहीं, 68 प्रतिशत को उम्मीद है कि इससे सेवाओं की लागत कम करने में मदद मिलेगी। करीब 83 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि एआई उन्हें ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में मदद करेगा।

सेबी ने नए सेटलमेंट नियम किए जारी, 10 लाख रुपए तक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक रूट शुरू

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सेटलमेंट के कैलकुलेशन के लिए नए संशोधित नियम जारी किए हैं। साथ ही, 10 लाख रुपए तक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक रूट शुरू किया है।

रेगुलेटर ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि सेटलमेंट और फास्ट-ट्रैक रूट के लिए बदले गए फॉर्मूले का मकसद इस सिस्टम को आसान और ज्यादा अनुमान लगाने लायक बनाना है। सेटलमेंट रेगुलेशन्स, 2026 के तहत, सेटलमेंट की शर्तों में सेटलमेंट की रकम, जहां लागू हो वहां गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी और सुधारात्मक व रेगुलेटरी शर्तें (जिन्हें पहले नॉन-मॉनेटरी शर्तें कहा जाता था) शामिल होंगी। इसमें गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे की वापसी के लिए अलग से प्रावधान किया गया है, ताकि सेटलमेंट की गणना करते समय ऐसी रकम की दोहरी गिनती न हो।

नया फॉर्मूला सेटलमेंट की रकम को एक बेस अमाउंट से जोड़ता है, जो सिक्योरिटीज कानूनों के तहत उल्लंघन के लिए तय कम से कम पेनल्टी से जुड़ा होता है। बेस अमाउंट तय करने में कानूनी खर्च के अलावा, कार्यवाही का चरण, रेगुलेटरी एक्शन, उल्लंघन की गंभीरता, और मामले को गंभीर या कम गंभीर बनाने वाले कारकों को ध्यान में रखा जाएगा।

बेस अमाउंट की कैलकुलेशन में गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे, बचाए गए नुकसान या निवेशकों को हुए नुकसान को शामिल नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, इन रकमों को अलग से वसूला जाएगा। पैसे की सीमा के अलावा, उल्लंघन की प्रकृति (जैसे कुछ डिस्क्लोजर से जुड़े उल्लंघन) यह तय करेगी कि मामले नए शुरू किए गए फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट रूट से निपटाए जाएंगे या नहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नियामक ने कहा, 'फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट दो तरह के होंगे -- उल्लंघन पर आधारित फीस्ट-ट्रैक सेटलमेंट और पैसे की सीमा पर आधारित फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट।' जब सेटलमेंट की रकम 10 लाख रुपए या उससे कम होगी, तो मामले सीधे इंटरनल कमिटी से होल-टाइम मेंबर्स के पैनल के पास जाएंगे। उल्लंघन पर आधारित फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट में, सेबी संबंधित संस्था को एक नोटिस भेजेगा जिसमें नोटिस में बताई गई रकम का भुगतान करके मामले को निपटाने का मौका दिया जाएगा। सेटलमेंट की रकम का भुगतान होने के बाद सदस्यों का पैनल सेटलमेंट ऑर्डर जारी करेगा। इन नियमों में फाइनेंशियल स्टेटमेंट को गलत तरीके से पेश करने या फंड के गलत इस्तेमाल से जुड़े मामलों का सेटलमेंट भी शामिल है, बशर्ते उचित सुधारात्मक और रेगुलेटरी उपाय किए जाएं, जिनमें डिस्क्लोजर और डायवर्ट किए गए फंड की रिकवरी शामिल है।

आरबीआई सरकारी तेल कंपनियों के लिए स्पेशल डॉलर विंडो करेगी शुरू, रुपए को मिलेगा सपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को ऐलान किया है कि वह सरकारी तेल कंपनियों को डॉलर की आपूर्ति के लिए एक स्पेशनल विंडो खोलेगी। इसका उद्देश्य रुपए को सपोर्ट करना है।

यह स्पेशल विंडो 12 अक्टूबर, 2026 को खुलेगी और अगले आदेश तक खुली रहेगी।

आरबीआई ने कहा है कि मौजूदा बाजार की स्थितियों का आकलन करने के बाद, केंद्रीय बैंक ने तीन सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन - की दैनिक डॉलर की जरूरत को पूरा करने के लिए एक स्पेशल विंडो खोलने का फैसला किया है।

इस सुविधा के तहत, रिजर्व बैंक तय बैंकों के जरिए पब्लिक सेक्टर की तेल कंपनियों को डॉलर बेचेगा।

इसके अलावा, आरबीआई ने विदेशी मुद्रा हेजिंग सुविधाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डॉक्यूमेंटेशन के नियमों को भी सख्त किया है। आरबीआई ने एक अलग बयान में कहा, 'अधिकृत डीलरों को उन यूजर्स से एक लिखित आश्वासन लेना होगा और उसे अपने पास रखना होगा जो, भारतीय रुपए से जुड़े विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट कर रहे हैं। इस लिखित आश्वासन में यह पुष्टि करनी होगी कि उसी अंडरलाइंग एक्सपोजर के लिए किसी दूसरे अधिकृत डीलर के साथ हेजिंग नहीं की गई है।' विदेश मुद्रा बाजार के सही ढंग से काम करने के लिए, आरबीआई ने कैंसिल किए गए फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने पर पाबंदियां लगाई हैं। बयान में कहा गया, 'अधिकृत डीलर यूजर्स को रुपए से जुड़े किसी भी फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट को दोबारा बुक करने की इजाजत नहीं देंगे - चाहे वह डिलीवरेबल हो या नॉन-डिलीवरेबल - जिसे इन निर्देशों के जारी होने के बाद किसी अधिकृत डीलर के साथ कैंसिल किया गया हो।' इसने सभी अधिकृत डीलरों के लिए बिना अंडरलाइंग एक्सपोजर के फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव ट्रांजैक्शन करने की सीमा को घटाकर 5 मिलियन डॉलर के बराबर कर दिया।

इसके अलावा, 2 मिलियन डॉलर से ज्यादा की नोशनल वैल्यू वाले रुपए से जुड़े सभी फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए, अधिकृत डीलरों को रिजर्व बैंक के पास 'फॉरेन एक्सचेंज रिस्क रिजर्व' बनाए रखना होगा। यह रिजर्व हर ट्रांजैक्शन की नोशनल वैल्यू के भारतीय रुपए मूल्य के 20 प्रतिशत के बराबर नकद के रूप में बनाए रखना होगा।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह पर रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट गुलाबी रोशनी से जगमगाया

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर इस अक्टूबर में रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट को गुलाबी रोशनी से रोशन किया गया है। यह पहल स्तन कैंसर से प्रभावित महिलाओं के प्रति आशा, जागरूकता और एकजुटता का प्रतीक बनकर सामने आई है।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्तन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देने, समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने और अनुशंसित स्क्रीनिंग कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके साथ ही परिवारों को भी स्तन स्वास्थ्य के विषय पर खुलकर बातचीत करने तथा महिलाओं को बिना किसी डर, झिझक या सामाजिक संकोच के चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए प्रेरित करना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

अस्पताल को गुलाबी रोशनी से सजाना केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर का उपचार करा रही महिलाओं, कैंसर से उबर चुकी महिलाओं और उनके परिवारों के लिए आशा एवं साहस का संदेश भी है। यह पहल जागरूकता और समय पर बीमारी की पहचान के महत्व को रेखांकित करती है, जिससे उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

विशेषज्ञों की टीम के साथ व्यापक कैंसर उपचार सुविधाएं- रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की बहु-विषयक टीम के माध्यम से व्यापक कैंसर उपचार सुविधाएं प्रदान करता है। यहां सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के विशेषज्ञ मिलकर मरीजों को व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराते हैं।

इस विशेषज्ञ टीम में शामिल हैं :- डॉ. मौ रॉय — वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।

डॉ. रवि जायसवाल — वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, मेडिकल ऑन्कोलॉजी। डॉ. गौरव गुप्ता — वरिष्ठ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी। डॉ. नवीन जैन — वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट। डॉ. नीरू केरकेट्टा — वरिष्ठ सलाहकार, न्यूक्लियर मेडिसिन।

रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों की एक टीम के माध्यम से व्यापक एवं बहुविषयक कैंसर उपचार सेवाएँ प्रदान करता है। यहाँ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के विशेषज्ञ एक साथ मिलकर मरीजों को बेहतर और समन्वित उपचार उपलब्ध कराते हैं।

डॉ. मौ रॉय - वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर - सर्जिकल ऑन्कोलॉजीडॉ. रवि जायसवाल - वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष - मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. गौरव गुप्ता - वरिष्ठ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, डॉ. नवीन जैन - वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. नीरू केरकेट्टा - वरिष्ठ सलाहकार - न्यूक्लियर मेडिसिन, डॉ. अकेल्ला फणेंद्र - सलाहकार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. रुचिर डाकड़ - सलाहकार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट।

यह टीम बीमारी की पहचान और उपचार की योजना बनाने से लेकर उपचार, स्वस्थ होने की प्रक्रिया और नियमित फॉलो-अप तक मरीजों को समन्वित एवं व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करती है।

नेटफ्लिक्स अगले सप्ताह अपने करीब 5 प्रतिशत कर्मचारियों की कर सकती है छंटनी : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वीडियो स्ट्रीमिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स अपने करीब 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इस कदम से कंपनी में सैकड़ों नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों की ओर से रिपोर्ट में दी गई।

पक न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में ही छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। पिछले साल के अंत में कंपनी में लगभग 16,000 कर्मचारी थे।

नेटफ्लिक्स में छंटनी का पिछला बड़ा दौर 2022 में आया था, जब कंपनी ने धीमी वृद्धि और सब्सक्राइबर की संख्या में गिरावट के बीच सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरियां खत्म कर दी थीं।

यह छंटनी ऐसे समय में किए जाने पर विचार किया जा रहा है, जब स्ट्रीमिंग उद्योग में नेटफ्लिक्स को बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया कंपनियां एकीकरण कर रही हैं, जबकि गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब दर्शकों और विज्ञापन खर्च का बढ़ता हिस्सा आकर्षित कर रहा है।

नेटफ्लिक्स ने छंटनी से जुड़ी इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

इसके अतिरिक्त, नेटफ्लिक्स ने अपने पारंपरिक सब्सक्रिप्शन कारोबार से आगे बढ़ते हुए विज्ञापन, लाइव प्रोग्रामिंग और गेमिंग के क्षेत्र में भी विस्तार किया है।

मई में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में छंटनी की रफ्तार तेज हो रही है। इस साल की पहली तिमाही में ही 80,000 से अधिक नौकरियां खत्म की जा चुकी थीं और इस साल कुल नौकरियों में कटौती का आंकड़ा 3 लाख से अधिक होने की आशंका है। इस छंटनी में ओरेकल, अमेजन और मेटा जैसी कंपनियां आगे हैं।

भारतीय शेयर बाजार अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार इस साल डॉलर में 15.6 प्रतिशत गिरने के बाद भी अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। साथ ही, अगले वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय में 17 प्रतिशत तक की बढ़त हो सकती है।

जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस वुड द्वारा तैयार की गई 'एशिया मैक्सिमा' रिपोर्ट में एमएससीआई एसी एशिया पैसिफिक (जापान को छोड़कर) इंडेक्स में 10.5 प्रतिशत के वेटेज के मुकाबले भारत के लिए 12 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश की गई थी।

स्थानीय मुद्रा में निफ्टी 13.4 प्रतिशत नीचे है और इंडोनेशिया (जिसमें 42.3 प्रतिशत की गिरावट आई है) के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला मार्केट है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की संरचनात्मक विकास की कहानी बरकरार है और डेटा भी मजबूत बना हुआ है।

वुड का मानना है कि वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय वृद्धि दर 14 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में यह 17 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सितंबर के मध्य तक बैंक क्रेडिट में साल-दर-साल 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, अगस्त में कॉर्पोरेट लोन 21.6 प्रतिशत बढ़े, छोटे, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए लोन में 25.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और जमा राशि में 17.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, कॉर्पोरेट लोन में बढ़ोतरी से संकेत मिलता है कि निजी क्षेत्र का लंबे समय से प्रतीक्षित पूंजीगत व्यय चक्र आखिरकार शुरू हो सकता है।

इसके अलावा, अगस्त में समाप्त 12 महीनों में मशीनरी का आयात कुल 66 अरब डॉलर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2021 में यह 29 अरब डॉलर था। वुड ने यह भी बताया कि 2025 की शुरुआत से 10.7 प्रतिशत की गिरावट के बाद भारतीय रुपया शायद अपने निचले स्तर पर पहुंच गया है।

क्या बालों के लिए भी जरूरी है कॉलेजन? जानें त्वचा से लेकर हड्डियों तक शरीर में क्या करता है ये प्रोटीन

कॉलेजन को अक्सर जवां त्वचा और मजबूत बालों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह शरीर में और भी कई जरूरी काम करता है? स्किन टाइटनिंग से लेकर हड्डियों और जोड़ों को सहारा देने तक, कॉलेजन की अहम भूमिका होती है. जानिए कॉलेजन क्या है, यह बालों के लिए कितना जरूरी है और इसकी कमी से क्या असर पड़ सकता है.

आजकल स्किनकेयर और हेयर केयर की दुनिया में कॉलेजन की काफी चर्चा होती है. इसे त्वचा को जवां रखने, झुर्रियां कम करने और बालों को मजबूत बनाने से जोड़कर देखा जाता है. बाजार में कॉलेजन पाउडर, कैप्सूल और ड्रिंक्स भी उपलब्ध हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉलेजन हमारे शरीर में पहले से मौजूद होता है और कई जरूरी काम करता है? आइए जानते हैं कि कॉलेजन क्या है, यह शरीर के लिए क्यों जरूरी है और बालों की सेहत में इसकी क्या भूमिका हो सकती है.

Harvard Health Publishing की रिपोर्ट के अनुसार, कॉलेजन शरीर में पाया जाने वाला एक जरूरी प्रोटीन है. यह त्वचा, हड्डियों, मांसपेशियों, नसों और जोड़ों के आसपास मौजूद टिश्यू को मजबूती और सहारा देने में मदद करता है. आसान भाषा में समझें तो कॉलेजन शरीर के कई हिस्सों को संरचना देने वाले ढांचे की तरह काम करता है. उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कॉलेजन का उत्पादन धीरे-धीरे कम होने लगता है. इसका असर त्वचा की कसावट और लचीलेपन पर पड़ सकता है. हालांकि, उम्र के अलावा धूप में ज्यादा रहना और धूम्रपान जैसी आदतें भी त्वचा में कॉलेजन को नुकसान पहुंचा सकती हैं.

त्वचा के लिए क्या करता है कॉलेजन?

त्वचा को मजबूत और लचीला बनाए रखने में कॉलेजन की अहम भूमिका होती है. यह त्वचा की अंदरूनी परत को सहारा देता है. उम्र बढ़ने के साथ कॉलेजन में कमी आने पर त्वचा में झुर्रियां और ढीलापन नजर आ सकता है. कुछ रिसर्च में कॉलेजन सप्लीमेंट लेने से त्वचा की नमी और लचीलेपन में सुधार के संकेत मिले हैं. हालांकि, इसके नतीजे हर व्यक्ति में एक जैसे नहीं होते और सप्लीमेंट के फायदे को लेकर अभी और अच्छी क्वालिटी की रिसर्च की जरूरत है. सिर्फ कॉलेजन लेने से त्वचा हमेशा जवां बनी रहेगी, ऐसा मानना सही नहीं है.

क्या बालों के लिए भी जरूरी है कॉलेजन?

बालों की सेहत में भी कॉलेजन की भूमिका हो सकती है, लेकिन यहां एक बात समझना जरूरी है. बालों का मुख्य हिस्सा कॉलेजन नहीं, बल्कि केराटिन नाम का प्रोटीन होता है. केराटिन बालों की बनावट का प्रमुख हिस्सा है. कॉलेजन में मौजूद अमीनो एसिड शरीर को प्रोटीन बनाने के लिए जरूरी तत्व उपलब्ध कराते हैं. लेकिन अभी इस बात के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं कि कॉलेजन सप्लीमेंट लेने से बाल तेजी से बढ़ते हैं, ज्यादा घने होते हैं या उनका झड़ना रुक जाता है. इसलिए अगर आपके बाल झड़ रहे हैं, तो केवल कॉलेजन की कमी को इसकी वजह मानना सही नहीं होगा. आयरन की कमी, थायरॉइड से जुड़ी समस्या, तनाव, हार्मोनल बदलाव और पर्याप्त पोषण न मिलना भी बाल झड़ने के कारण हो सकते हैं.

हड्डियों और जोड़ों के लिए भी अहम है कॉलेजन

कॉलेजन सिर्फ त्वचा और बालों तक सीमित नहीं है. यह हड्डियों को लचीलापन देने वाले ढांचे का हिस्सा है. हड्डियों में मौजूद मिनरल्स उन्हें कठोरता देते हैं, जबकि कॉलेजन उन्हें मजबूती के साथ कुछ लचीलापन भी देता है. इसके अलावा, कॉलेजन जोड़ों के कार्टिलेज, टेंडन और लिगामेंट जैसे टिश्यू में भी पाया जाता है. कुछ अध्ययनों में कॉलेजन सप्लीमेंट से घुटनों के ऑस्टियोआर्थराइटिस से जुड़े दर्द में संभावित सुधार देखा गया है।

बाजार से क्यों खरीदें मूंगफली का तेल, भुनी मूंगफली, गर्म पानी और कपड़ा... बिना मशीन ऐसे निकलेगा घर का तेल

घर पर मूंगफली का तेल निकालने के लिए मशीन की जरूरत नहीं पड़ती. भुनी मूंगफली को पीसकर गर्म पानी के साथ गूंधने और कपड़े से छानने से तेल अलग किया जा सकता है. बची खली से पराठे या लड्डू भी बनाए जा सकते हैं.

बाजार से तेल की बोतल खरीदना तो आसान है, लेकिन जब बात शुद्धता और घर के स्वाद की आती है तो मन में कई सवाल उठते हैं. खासकर व्रत के दिनों में इस्तेमाल होने वाली चीजों को लेकर लोग थोड़े ज्यादा सजग रहते हैं. मूंगफली का तेल भी फलाहारी पकवानों में खूब इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में अगर आपके पास अच्छी मूंगफली है तो इसे घर पर तेल में बदलने का तरीका जानना दिलचस्प हो सकता है.

इसके लिए किसी ऑयल प्रेस या खास मशीन की जरूरत नहीं है. मिक्सर, थोड़ा गर्म पानी और सूती कपड़े की मदद से यह काम किया जा सकता है. इस तरीके में तेल निकालने के बाद बची मूंगफली की खली भी काम आ सकती है.

घर पर मूंगफली का तेल निकालने के लिए क्या चाहिए

इस तरीके के लिए अच्छी क्वालिटी की कच्ची मूंगफली लें. इसके अलावा मिक्सर, थोड़ा गर्म पानी और साफ सूती या मलमल का कपड़ा रखें. मूंगफली ताजी होनी चाहिए और उसमें सीलन, बासीपन या खराब गंध नहीं होनी चाहिए. इस्तेमाल से पहले दानों को ध्यान से जांच लेना बेहतर रहेगा.

मूंगफली को सही तरह भूनना जरूरी

करीब 500 ग्राम कच्ची मूंगफली लें और उसके छिलके सहित उसे भारी तले वाली कड़ाही में डालें. मीडियम से धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें. जब छिलका सुनहरा होने लगे और आसानी से अलग होने लगे तो गैस बंद कर दें. मूंगफली को बहुत ज्यादा भूरा करने से बचें. ज्यादा भुनने पर तेल में जली हुई महक आ सकती है. वहीं कम भुनी मूंगफली से कच्चेपन की गंध रह सकती है. भूनने के बाद इसे अच्छी तरह ठंडा होने दें.

मिक्सर में पीसकर तैयार करें मूंगफली का पेस्ट

ठंडी मूंगफली को कपड़े में रखकर हल्के हाथ से रगड़ें और छिलके अलग कर लें. अब साफ दानों को मिक्सर जार में डालें. यहां एक बात का ध्यान रखना जरूरी है. मिक्सर को लगातार चलाने के बजाय पल्स मोड में इस्तेमाल करें. मूंगफली को छोटे-छोटे अंतराल में पीसते रहें. धीरे-धीरे इसका रूप पाउडर से बदलकर गाढ़े पेस्ट जैसा होने लगेगा. पेस्ट में हल्की चमक दिखने लगे तो समझ सकते हैं कि मूंगफली से तेल निकलना शुरू हो गया है.

गर्म पानी डालकर निकालें तेल

अब मूंगफली के पेस्ट को किसी बड़ी प्लेट या परात में निकाल लें. इसमें थोड़ा-थोड़ा गर्म पानी डालते हुए हाथों से अच्छी तरह गूंधें. पानी एक साथ ज्यादा डालने की जरूरत नहीं है।

भारत के ऐतिहासिक स्मारक, जिन्हें महिलाओं ने बनवाया, खूबसूरती देख रह जाएंगे हैरान

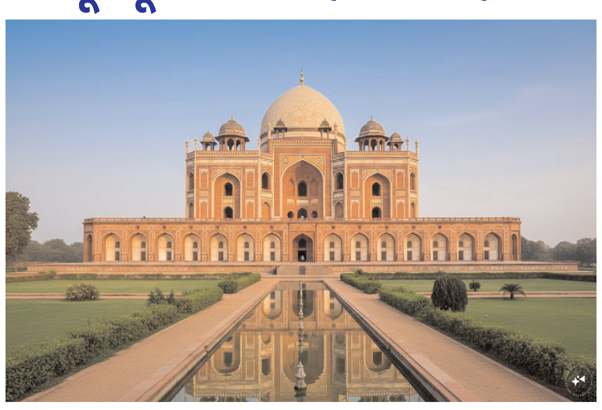

भारत में कई ऐतिहासिक स्मारक ऐसी महिलाओं ने बनवाए, जिनके नाम के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. गुजरात की रानी की वाव से लेकर दिल्ली के हुमायूं के मकबरे तक, इन इमारतों में महिलाओं की सोच, कला और वास्तुकला के प्रति उनकी समझ की झलक मिलती है. जानिए ऐसे ही 5 ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में.

जब भी भारत के ऐतिहासिक स्मारकों की बात होती है, तो अक्सर राजा-महाराजाओं के नाम सामने आते हैं. लेकिन इतिहास में कई ऐसी महिलाएं भी रही हैं, जिन्होंने शानदार इमारतें बनवाकर अपनी पहचान छोड़ी. किसी ने अपने पति की याद में स्मारक बनवाया, तो किसी ने अपने शासन के दौरान मस्जिद और दूसरी इमारतों का निर्माण करवाया. आज हम आपको भारत के ऐसे ही 5 ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में बता रहे हैं, जिनके निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका रही है.

रानी की वाव, गुजरात

गुजरात के पाटन में स्थित रानी की वाव भारत की सबसे खूबसूरत बावड़ियों में से एक है. इसका निर्माण 11वीं सदी में रानी उदयमती ने अपने पति राजा भीमदेव प्रथम की याद में करवाया था. इसे पानी के महत्व को दर्शाने वाले एक उल्टे मंदिर की तरह बनाया गया था. इस बावड़ी की सबसे खास बात इसकी बारीक नक्काशी है. इसमें सीढ़ियों के सात स्तर हैं. दीवारों और खंभों पर देवी-देवताओं, धार्मिक कथाओं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी आकृतियां बनाई गई हैं. यहां 500 से ज्यादा मुख्य मूर्तियां और 1,000 से ज्यादा छोटी मूर्तियां मौजूद हैं।

शादी के बाद कपल अब एक-दूसरे को गिफ्ट नहीं, 'अनपैक्ड डे' दे रहे हैं क्या है यह नया रिलेशनशिप ट्रेंड?

'अनपैक्ड डे' का आइडिया महंगे गिफ्ट या बड़ी डेट के बजाय पार्टनर के साथ सुकून से समय बिताने पर केंद्रित है. कपल साथ खाना बना सकते हैं, बातें कर सकते हैं या टहलने जा सकते हैं. यह कोई जरूरी रिलेशनशिप नियम नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समय देने का तरीका है.

शादी के बाद जिंदगी में काम, घर और परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं. ऐसे में कई बार पति-पत्नी एक ही घर में रहते हुए भी सुकून से बैठकर बात नहीं कर पाते. खास मौकों पर गिफ्ट देना, बाहर डिनर करना या सरप्राइज प्लान करना अच्छा लगता है, लेकिन क्या रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए हर बार कुछ खरीदना जरूरी है?

इसी सवाल से जुड़ा एक आइडिया है 'अनपैक्ड डे', जिसमें महंगे तोहफों के बजाय एक-दूसरे को समय देने पर जोर है. इस दिन कपल बिना किसी खास एजेंडे के साथ वक्त बिताते हैं. हालांकि, इसे किसी स्थापित रिलेशनशिप ट्रेंड के बजाय साथ समय बिताने के एक तरीके के रूप में समझना बेहतर है.

क्या होता है 'अनपैक्ड डे'?

'अनपैक्ड डे' का कोई तय नियम या आधिकारिक रिलेशनशिप फॉर्मूला नहीं है. यहां इसका मतलब ऐसे दिन से है, जब कपल रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक लेकर एक-दूसरे पर ध्यान देते हैं. इस दौरान काम, फोन और सोशल मीडिया को कुछ समय के लिए किनारे रखा जा सकता है. इसके लिए किसी महंगे होटल, रेस्टोरेंट या लंबी ट्रिप की जरूरत नहीं होती. घर पर साथ खाना बनाना, पुरानी तस्वीरें देखना, बालकनी में बैठकर बातें करना या शाम को टहलने निकलना भी इस दिन का हिस्सा हो सकता है. मकसद दिन को खास बनाने के लिए बड़ा प्लान करना नहीं, बल्कि साथ बिताए समय को बेहतर बनाना है.

गिफ्ट की जगह समय देने का आइडिया क्यों है खास?

शादी के शुरुआती दिनों में कपल एक-दूसरे के साथ ज्यादा समय बिताते हैं. लेकिन धीरे-धीरे नौकरी, घर के काम, बच्चों की जिम्मेदारियां और दूसरी जरूरतें दिनचर्या का हिस्सा बन जाती हैं. कई बार बातचीत भी जरूरी कामों तक सिमट जाती है. ऐसे में साथ समय बिताने के लिए अलग से वक्त निकालना रिश्ते में बातचीत का मौका दे सकता है. गिफ्ट देना या डेट पर जाना गलत नहीं है. लेकिन रिश्ते में एक-दूसरे की बातें सुनना, दिन कैसा रहा यह पूछना और बिना किसी जल्दबाजी के साथ बैठना भी मायने रखता है. हालांकि, सिर्फ एक दिन साथ बिताने से रिश्ते की हर परेशानी दूर हो जाएगी, ऐसा नहीं है. रिश्ते में जुड़ाव बनाए रखने के लिए नियमित बातचीत, भरोसा और एक-दूसरे की जरूरतों को समझना भी जरूरी है।

हर साल दुर्गा पूजा पर पहनती हैं लाल साड़ी? भीड़ से अलग दिखना है तो ट्राई करें गॉर्जियस कलर्स

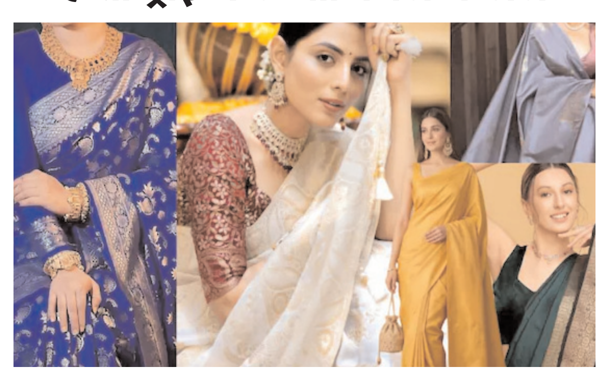

दुर्गा पूजा का त्योहार आते ही हर तरफ रौनक, ढाक की आवाज और पंडालों में रौनक नजर आने लगती है. इस फेस्टिवल के मौके पर बंगाली परंपरा और फेस्टिव फैशन का एक अलग ही मेल देखने को मिलता है. जब भी दुर्गा पूजा की बात होती है, तो सबसे पहले दिमाग में लाल रंग की सिल्क या कॉटन साड़ी का ख्याल आता है. हालांकि लाल रंग बेहद शुभ और पारंपरिक माना जाता है, लेकिन अगर आप हर साल लाल साड़ी ही पहनती आ रही हैं और इस बार कुछ नया, यूनिक और गॉर्जियस ट्राई करना चाहती हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है.

पीला रंग खुशी, सकारात्मकता और त्योहार की नई उमंग का प्रतीक माना जाता है. सुबह की अंजलि या पंडालों में भोग के समय मस्टर्ड येलो सिल्क या कॉटन साड़ी आपको एक बहुत ही फ्रेश और एथनिक लुक देगी. इस साड़ी को आप लाल रंग के कंट्रास्ट ब्लाउज और बालों में ताजे गजरे के साथ स्टाइल कर सकती हैं.

अगर आप शाम की आरती या दोस्तों के साथ पंडाल हॉपिंग पर जाने का प्लान बना रही हैं, तो रॉयल ब्लू एक परफेक्ट और बेहद क्लासी चॉइस है. पंडाल की रंग-बिरंगी लाइट्स में यह रंग खिलकर सामने आता है. रॉयल ब्लू बनारसी या कांजीवरम साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड या सिल्वर ज्वेलरी बहुत ही एलिगेंट लगती है.

हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत को दर्शाता है. दुर्गा पूजा के दौरान एमराल्ड या बॉटल ग्रीन सिल्क साड़ी गोल्डन जरी बॉर्डर के साथ बेहद रॉयल और हैवी लुक देती है. इसे ट्रेडिशनल गोल्ड ज्वेलरी के साथ पेयर करके आप किसी महारानी से कम नहीं लगेंगी।

रोज-रोज की सब्जी से हो गए हैं बोर? 15 मिनट में बनाएं चटपटी आलू भुर्जी, पूरी-कचौड़ी के साथ टेस्ट डबल

अगर रोजाना एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा खाने का मन कर रहा है, तो आलू भुर्जी एक बढ़िया विकल्प है. आलू, प्याज, टमाटर और मसालों से तैयार होने वाली यह देसी डिश बनाने में आसान है. राहुल राज ने बताया कि उनकी मां घर पर किस तरह स्वादिष्ट आलू भुर्जी बनाती थीं. जानिए इसकी आसान रेसिपी और बनाने का पूरा तरीका.

रोजाना एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा खाने का मन कर रहा है, तो आलू की भुर्जी बना सकते हैं. आलू से बनने वाली यह देसी डिश स्वाद में लाजवाब होती है. इसे बनाने के लिए आलू के साथ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और कुछ मसालों की जरूरत होती है. गरमागरम आलू भुर्जी को पूरी, कचौड़ी या रोटी के साथ खाया जा सकता है.

आलू भुर्जी की खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता. करीब 10 से 15 मिनट में यह चटपटी सब्जी तैयार हो सकती है. राहुल राज बताते हैं कि उन्होंने अपनी मां से आलू भुर्जी बनाने का देसी तरीका सीखा है. जब घर में कोई दूसरी सब्जी नहीं होती थी या कुछ चटपटा खाने का मन करता था, तब उनकी मां आलू भुर्जी बनाती थीं.

राहुल राज के मुताबिक, चार लोगों के लिए आलू भुर्जी बनाने के लिए करीब आधा किलो आलू की जरूरत होगी. इसके अलावा चार से पांच प्याज, दो टमाटर, हरी मिर्च, हरा धनिया, सरसों का तेल और जीरा लें. स्वाद बढ़ाने के लिए चाट मसाला और सब्जी मसाला भी इस्तेमाल कर सकते हैं. अगर आपको तीखा खाना पसंद है, तो इसमें लाल मिर्च भी डाल सकते हैं.

सबसे पहले आलू को अच्छी तरह धोकर उबाल लें. उबलने के बाद आलू को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. अब प्याज, टमाटर और हरी मिर्च को बारीक काटकर रख लें. इसके बाद कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें. जीरा चटकने लगे, तो बारीक कटा प्याज डालकर अच्छी तरह भून लें. प्याज भुनने के बाद कड़ाही में टमाटर और हरी मिर्च डालें. इन्हें अच्छी तरह पकने दें, ताकि टमाटर नरम हो जाएं. इसके बाद उबले हुए आलू डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें. अब स्वादानुसार नमक और चाट मसाला, सब्जी मसाला व लाल मिर्च डाल सकते हैं.

राहुल राज के मुताबिक, आलू डालने के बाद कड़ाही को ढककर करीब दो से तीन मिनट तक पकाएं. फिर ढक्कन हटाकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें और दो मिनट तक दोबारा पकने दें. इससे आलू में मसालों का स्वाद अच्छी तरह समा जाएगा.

जब आलू भुर्जी अच्छी तरह पक जाए, तो ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डाल दें. इससे सब्जी का स्वाद और खुशबू बढ़ जाती है. गरमागरम आलू भुर्जी को पूरी, कचौड़ी, रोटी या दाल-चावल के साथ परोस सकते हैं. कम समय में तैयार होने वाली यह देसी रेसिपी रोजाना के खाने में स्वाद का नया तड़का लगा सकती है।

जया बच्चन के सपोर्ट में आईं तनीषा मुखर्जी

पैपराजी को दी उनसे दूर रहने की नसीहत

मुंबई। हर साल की तरह इस साल भी मुंबई में 'नॉर्थ बॉम्बे दुर्गा पूजा' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान बॉलीवुड़ हस्तियां माता रानी का आशीर्वाद लेने आती हैं। हाल ही में काजोल की छोटी बहन और अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी ने पैप्स से अपील कि की बह दुर्गा पूजा के समय अभिनेत्री जया बच्चन को परेशान न करें।

दुर्गा पूजा के एक इवेंट में मीडिया से बात करते हुए तनिषा ने कहा, "मैं देख रही हूं कि आप लोग जया आंटी को बहुत परेशान कर रहे हैं। मैं देखती हूं कि आपके कुछ रिपोर्टर्स जानबूझकर उन्हें उकसाने की कोशिश करते हैं, तो मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि हमारी दुर्गा पूजा में ऐसा मत कीजिएगा।"

तनिषा मुखर्जी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?" इतना ही नहीं, तनिषा ने भीड़ को लेकर भी लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान पंडाल में लाखों लोग आते हैं, इसलिए धक्का-मुक्की न करें, एक-दूसरे का ख्याल रखें और थोड़ी शिष्टता और इंसानियत बनाए रखें।

> "हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?"
> – तनिषा मुखर्जी

जया बच्चन और पैपराजी के बीच अक्सर रहती है नोकझोंक

जया कई बार पब्लिक में फोटो खींचने पर नाराजगी जता चुकी हैं। वहीं, जया बच्चन भी हर साल इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं और तनुजा मुखर्जी परिवार के साथ उनका काफी पुराना और करीबी रिश्ता है।

मुखर्जी परिवार के लिए पूजा का खास महत्व

नॉर्थ बॉम्बे सार्वजानिन दुर्गा पूजा मुंबई की सबसे पुरानी और भव्य पूजाओं में से एक हैं, जिसकी स्थापना 1948 में अभिनेत्री काजोल और निर्देशक अयान मुखर्जी के दादा पद्मश्री शशधर मुखर्जी और उनकी पत्नी सतीरानी मुखर्जी ने की थी।

अयान मुखर्जी, अभिनेत्री काजोल और तनिषा मुखर्जी के चचेरे भाई हैं। अयान मुखर्जी के पिता (देब मुखर्जी) और काजोल के पिता (शोमू मुखर्जी) सगे भाई थे।

ऐसे शुरू हुई थी पूजा

पहली पूजा सांताक्रूज के श्री मंडल हॉल में हुई थी, तब से यह सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से और भी बड़ी होती चली गई। यह मुंबई के सबसे पुराने और भव्य दुर्गा पूजा आयोजनों में से एक हैं, जिसे पहले काजोल के चाचा और अयान मुखर्जी के पिता देब मुखर्जी संभालते थे। उनके निधन के बाद पूरा परिवार मिलकर इस परंपरा को आगे निभा रहा हैं।

रेखा के जन्मदिन पर इंडस्ट्री ने लुटाया प्यार, शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा-खूबसूरती और स्टाइल की मिसाल

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी सिनेमा की सदाबहार अभिनेत्री रेखा शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के उनके दोस्तों और चाहने वालों ने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और उनके साथ बिताए अपने शानदार पलों को भी याद किया।

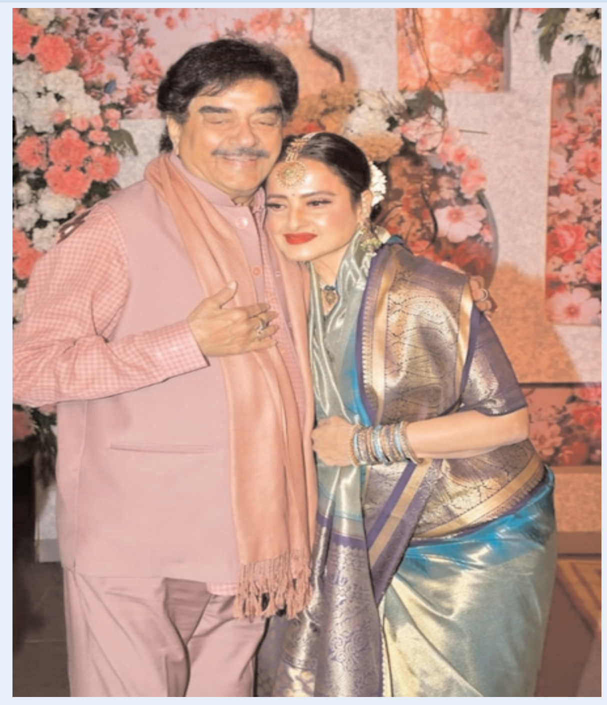

अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने अभिनेत्री रेखा को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। ये तस्वीरें उन कार्यक्रमों और फिल्मों की हैं जो दोनों ने साथ में की हैं। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री के बेहतर स्वास्थ और खुश रहने की कामना की। उन्होंने लिखा, 'जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं और बहुत सारा प्यार। आप खूबसूरती और स्टाइल की मिसाल हैं। भगवान करे आप हमेशा स्वस्थ और खुश रहें।'

दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता हेमा मालिनी ने अपनी पुरानी दोस्त और अभिनेत्री रेखा को 72वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर उनके साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों अभिनेत्रियां एक साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। हेमा मालिनी ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ रेखा को याद किया बल्कि उनके खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहने की कामना की। अभिनेत्री ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्यारी रेखा। भगवान तुम्हें हमेशा खुशी, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि दे।'

अभिनेता चंकी पांडे ने भी रेखा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री की तस्वीर शेयर कर लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं रेखा जी।'

रेखा भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और उन्हें एक नेशनल फिल्म अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं। अपने करियर के दौरान रेखा ने कई बार खुद को नए रूप में पेश किया है और अपनी लोकप्रियता को बरकरार रखा है। मुख्य अभिनेत्री के तौर पर उनकी पहली फिल्म कन्नड़ फिल्म 'ऑपरेशन जैकपॉट नल्ली सीआईडी 999' थी। हिंदी सिनेमा में उन्होंने 'सावन भादो' से डेब्यू किया था। उन्हें शुरुआती पहचान 1978 में 'घर' और 'मुकद्दर का सिकंदर' फिल्मों में उनके अभिनय के लिए मिली।

'जिंदगी में सब बदल गया था' मंजिमा मोहन ने 10 साल बाद शुरू की भरतनाट्यम प्रैक्टिस

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री मंजिमा मोहन भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अभिनय के साथ शास्त्रीय नृत्य कला में भी निपुण हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिर से भरतनाट्यम सीखना शुरू कर दिया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह भरतनाट्यम करती नजर आ रही हैं। मंजिमा मोहन ने लिखा, 'मेरी मां ने मुझे 6 साल की उम्र में भरतनाट्यम से मिलवाया था, वो खुद भी एक ट्रेंड डांसर हैं। मैंने 10 साल की उम्र के आसपास गुरुवायूर में अपना पहला अरंगेत्रम किया था और कॉलेज तक सीखना जारी रखा। और फिर किसी तरह जिंदगी में सब कुछ बदल गया और लगभग 10 साल तक मैंने प्रैक्टिस नहीं की।'

आगे उन्होंने लिखा, 'बीच में मैंने सेमी-क्लासिकल डांस किया लेकिन भरतनाट्यम में वापस जाने से हमेशा हिचकिचाती रही क्योंकि मेरी प्रैक्टिस बिल्कुल छूट गई थी। तो ये बहुत लंबे समय बाद एक छोटी सी कोशिश है और मैं लगभग भूल ही गई थी कि मुझे ये करना कितना पसंद है।

मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने इतने लंबे समय तक इतनी खूबसूरत कला को छोड़ दिया, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से इसमें वापस आ रही हूं। आगे और भी बहुत कुछ करना है।

अभिनेत्री ने डांस के लिए अपनी गुरु को धन्यवाद भी दिया और लिखा, 'इस खूबसूरत डांस को सिखाने और मुझे कोशिश करने के लिए प्रेरित करने के लिए मास्टर आपका धन्यवाद।'

बता दें कि मंजिमा मोहन मुख्य रूप से तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मलयालम फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में की थी। फिल्म 'मधुरानोमबारकट्ट' (2000) के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला।

उनका परिवार फिल्म जगत से जुड़ा हुआ है। वह प्रसिद्ध छायाकार विपिन मोहन और नर्तकी कलामंडलम गिरिजा की बेटी हैं। प्रसिद्ध निर्देशक गौतम मेनन की फिल्म अच्चम एनबधु मदामैयादा से उन्होंने तमिल सिनेमा में कदम रखा।

इसी फिल्म के तेलुगु संस्करण साहसम स्वासगा सागीपो में भी उन्होंने अभिनय किया। इस दमदार डेब्यू के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू - साउथ मिला।

हिमेश रेशमिया ने बिग बी को 84वें जन्मदिन से पहले दी बधाईः भारतीय पर्दे पर अब तक के सबसे बड़े सुपरस्टार

विश्व केसरी

मुंबई। संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया ने महानायक अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन को एक जीवित किंवदंती बताते हुए भारतीय सिनेमा का अब तक का सबसे बड़ा सुपरस्टार करार दिया।

सिनेमा के प्रतिष्ठित सितारे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए हिमेश रेशमिया ने कहा, 'प्रिय बच्चन साहब, आप हमारी जीवित किंवदंती हैं, भारतीय सिनेमा ने अब तक का सबसे बड़ा सुपरस्टार आपके रूप में देखा है। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं बच्चन साहब और आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।'

दिग्गज अभिनेता से अपना स्नेह और आशीर्वाद बनाए रखने की अपील करते हुए हिमेश ने कहा, 'आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमें हमेशा मिलता रहे। हम आपसे प्यार करते हैं। जय माता दी, लेट्स रॉक...।'

शो में वापसी करने वाले प्रतियोगियों में अभिजीत सावंत, सलमान अली, अमित साना, प्राजक्ता शुक्रे, ऋषि सिंह और सायली कांबले जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

हिमेश अपनी विशिष्ट संगीत शैली और संगीतकार, पार्श्वगायक तथा टेलीविजन मेंटर के रूप में लंबे अनुभव के लिए जाने जाते हैं। वह कई सीजन में इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं।

उन्होंने 1990 के दशक के उत्तरार्ध में संगीतकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उनकी शुरुआती फिल्मों में 'प्यार किया तो डरना क्या' शामिल है। इसके बाद उन्होंने कई सफल हिंदी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया और फिर पार्श्वगायक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। 'तेरे नाम', 'आशिक बनाया आपने' और अन्य लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों के गीतों ने उन्हें 2000 के दशक की सबसे प्रभावशाली संगीत हस्तियों में शामिल कर दिया। उनकी विशिष्ट आवाज और संगीत शैली ने उन्हें अलग पहचान दिलाई।

साल 2006 में आए उनके एल्बम 'आप का सुरूर' ने भी उन्हें एकल कलाकार के रूप में बड़ी सफलता दिलाई। यह एल्बम अपने दौर के सबसे सफल भारतीय पॉप एल्बमों में से एक साबित हुआ।

'इंडियन आइडल' भारत के सबसे लोकप्रिय रियलिटी सिंगिंग शो में से एक है। यह अंतरराष्ट्रीय 'आइडल' प्रारूप पर आधारित है। वर्ष 2004 में भारतीय टेलीविजन पर शुरू हुए इस शो ने देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले उभरते गायकों को अपनी गायन प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच प्रदान किया है। वर्षों के दौरान इस शो ने अभिजीत सावंत, नेहा कक्कड़ और मोनाली ठाकुर सहित कई सफल पार्श्वगायकों के करियर को नई दिशा दी है ।

रकुलप्रीत सिंह के बर्थडे पर पति जैकी भगनानी ने लुटाया प्यार, कहा- तुम हो मेरी जिंदगी

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके पति-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

जैकी ने इंस्टाग्राम पर रकुलप्रीत के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात लिखी। उन्होंने लिखा, 'तुम्हे देखकर आज भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता, सोचता हूं कि मैं कितना खुशकिस्मत हूं ।मेरी ताकत, मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर और मेरी जिंदगी के प्यार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी कभी खत्म न होने वाली एनर्जी और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए शुक्रिया। चलो, एक और साल साथ में सपने पूरे करते हैं और ढेर सारी खूबसूरत यादें बनाते हैं। आई लव यू।' जैकी के पोस्ट करने के बाद दोनों के इंडस्ट्री के दोस्त और फैंस भी रकुल को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

रकुल मुख्य रूप से साउथ और हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। अभिनेत्री ने साल 2009 में कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद 2011 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहां वह पांचवें स्थान पर रहीं थी। इस प्रतियोगिता ने उन्हें बॉलीवुड में प्रवेश करने का मौका दिया। रकुल ने तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम कर अपनी पहचान बनाई।

साल 2014 में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'यारियां' से डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ हिमांश कोहली मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वे 'अय्यारी', 'दे दे प्यार दे', 'मरजावां', 'छतरीवाली', और साउथ की 'ध्रुवा' जैसी कई सफल फिल्मों में नजर आई थी।

अभिनेत्री को पिछली बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था।

रकुल ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में जैकी भगनानी के साथ पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। यह जोड़ा अपनी केमिस्ट्री और एक-दूसरे के प्रति प्यार के लिए अक्सर चर्चा में रहता है।

फिल्म 'सूर्यवंशी अग्रसेन' का पोस्टर हुआ लॉन्च, महाराजा अग्रसेन के किरदार में नजर आएंगे करणवीर बोहरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अभिनेता करणवीर बोहरा ने शनिवार को आगामी फिल्म 'सूर्यवंशी अग्रसेन' का पोस्टर लॉन्च किया। यह फिल्म महान और परोपकारी राजा महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके इतिहास पर आधारित है।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्म की पूरी टीम ने आईएएनएस के साथ बातचीत की।

अभिनेता करणवीर बोहरा ने फिल्म को लेकर कहा, 'सभी को महाराजा सूर्यवंशी अग्रसेन जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री प्राची बंसल और प्रोड्यूसर रामजी अग्रवाल की वजह से ही फिल्म सूर्यवंशी महाराज अग्रसेन की कहानी न सिर्फ अग्रवाल समुदाय बल्कि, पूरे देश और दुनिया तक पहुंचेगी। हम सभी रामायण और महाभारत के बारे में जानते हैं, लेकिन महाराज सूर्यवंशी अग्रसेन के बारे में कम लोगों को ही पता होगा कि वे कौन थे। उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि यह फिल्म आ रही है और इसके जरिए लोगों को महाराजा सूर्यवंशी अग्रसेन के बारे में पता चलेगा। फिल्म में मैंने सूर्यवंशी महाराज जी का किरदार निभाया है।

अभिनेता करणवीर बोहरा ने सीजेपी प्रदर्शन पर कहा, 'यह महाराज अग्रसेन जी का आशीर्वाद है कि हम इतने बड़े प्रोटेस्ट में भी दिल्ली पहुंचे हैं और हम चाहते हैं कि जो भी मसला है, वो 100 प्रतिशत महाराज सुलझा देंगे। अभिनेत्री प्राची बंसल ने कहा, 'हमारी फिल्म 'महाराजा सूर्यवंशी अग्रसेन' जल्द ही आ रही है। मैं अपने प्रोड्यूसर का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का इतना बड़ा मौका दिया। मुझे यकीन है कि यह फिल्म देखने के बाद लोगों को उनकी कहानी के बारे में और भी ज्यादा बातें जानने को मौका मिलेगा।

जेलेंस्की की आलोचना के बावजूद ट्रंप ने रूसी तेल समझौते का बचाव किया, पुतिन को कहा धन्यवाद

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिका को डीजल सप्लाई करने वाले एक बड़े तेल समझौते के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की आलोचना के बावजूद इस समझौते का बचाव किया।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि रूस के साथ हुआ ऊर्जा समझौता अमेरिकी सप्लाई और वैश्विक तेल बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपने रूस के साथ हुए तेल समझौते के बारे में सुना होगा। यह बहुत बड़ा समझौता है। हमारे देश में भारी मात्रा में तेल आ रहा है। और मैं ईमानदारी से राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद देना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कर्ि? हमारे देश में बड़ी मात्रा में तेल आ रहा है और यह डीजल है, जिसकी हमें जरूरत है। इसलिए धन्यवाद।

ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई जब एक पत्रकार ने जेलेंस्की की आलोचना का जिक्र किया। रिपोर्टर के मुताबिक, जेलेंस्की ने इस समझौते को लेकर ट्रंप को कमजोर बताया था। ट्रंप ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका को ऊर्जा सप्लाई की जरूरत है और खास तौर पर डीजल की अहम भूमिका है। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते की वजह से ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आ रही है। ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अतिरिक्त अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं किया। ट्रंप ने ईरान को एक ऐसे देश के रूप में पेश किया जो सैन्य और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उनकी सेना हार चुकी है। उनके पास नौसेना नहीं है। उनके पास वायुसेना नहीं है।' ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के एक हवाई अड्डे पर कथित हमले के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने असंतोष जताया। उन्होंने कहा, 'यह अच्छी बात नहीं है। बिल्कुल अच्छी बात नहीं है। मैं इससे खुश नहीं हूं।'

ट्रंप ने फोर्ट हूड गोलीकांड के दोषी और उसकी फांसी के संभावित लाइव प्रसारण को लेकर पूछे गए सवालों के भी जवाब दिए।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फांसी का प्रसारण चाहते हैं और क्या ऐसी फुटेज का इस्तेमाल चरमपंथी प्रचार के लिए हो सकता है, तो ट्रंप ने कहा कि उनकी प्राथमिक चिंता यह है कि मौत की सजा को अमल में लाया जाए। उन्होंने कहा कर्ि? मुझे इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता कि उसे कैसे फांसी दी जाती है। मेरा मानना है कि उसके लिए मौत की सजा बिल्कुल उचित है।

मिस्र ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले को 'अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन' बताया

विश्व केसरी

काहिरा। मिस्र ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद एयरपोर्ट पर किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। शनिवार को देश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसे 'अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन' करार दिया। सऊदी अरब पर ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए थे। हालांकि अपने बयान में मिस्र ने किसी गुट का नाम नहीं लिया है।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर बयान साझा किया। इसमें लिखा, 'मिस्र, मित्र राष्ट्र सऊदी अरब के खिलाफ किए गए उन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है जिनमें रियाद के किंग खालिद एयरपोर्ट और सऊदी अरब एयरलाइंस के एक विमान को निशाना बनाया गया। इन हमलों में तीन सऊदी नागरिकों की मौत हो गई और कई आम नागरिक घायल हो गए। इसमें आगे कहा गया, 'मिस्र इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन मानते हुए पूरी तरह से खारिज करता है और अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों की हिफाजत के लिए सऊदी अरब द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों में उसके साथ पूरी एकजुटता दिखाता है।'

मंत्रालय ने यह भी कहा कि हवाई आवाजाही को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करता है। अरब देश की सरकार और जनता के प्रति मिस्र अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है।

गुरुवार को ईरान समर्थित समूह द्वारा किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किए गए हमलों में एक पायलट समेत सऊदी अरब के तीन नागरिकों की मौत हो गई। सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) ने इससे पहले बुधवार को भी एक बयान जारी कर बताया था कि 6 और 7 अक्टूबर को आभा और किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमला किया गया था।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी की तैयारी पूरी, 48 घंटे अहम

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में अगले 48 घंटों में इमरजेंसी की घोषणा की जा सकती है। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल या गवर्नर शासन लागू करने की संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संबंध में अंतिम फैसला सरकार और विपक्षी प्रतिनिधिमंडलों के बीच चल रही बातचीत के नतीजे पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता दानियाल चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में दावा किया, ' अगले 48 घंटों में 'बड़े फैसले' लिए जाने के संकेत दिए हैं।' उनके बयान से प्रांत में जारी राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के मीडिया आउटलेट जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि प्रांत में प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी भी की गई है। इसमें उपायुक्तों और सचिवों के स्तर पर बदलाव के साथ क्षेत्रीय और जिला पुलिस अधिकारियों की संभावित नियुक्तियों की सूची तैयार करना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार खैबर पख्तूनख्वा के 12 जिलों में शुरुआती चरण में आपातकाल लागू करने के प्रस्ताव पर भी विचार कर रही है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में रामपुर प्रदेश में प्रथम, एक साल में बने 1.79 लाख कार्ड

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सुरक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में रामपुर ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में रामपुर ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पिछले एक वर्ष के दौरान सर्वाधिक 1 लाख 79 हजार आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इस उपलब्धि के लिए लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने रामपुर को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। रामपुर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए कार्ड बनाने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। रामपुर में विभिन्न विभागों के समन्वय और अभियान के प्रभावी संचालन से बड़ी संख्या में पात्र लोगों को योजना से जोड़ने में सफलता मिली है। आयुष्मान योजना का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के क्रम में जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान गंभीर बीमारियों से पीड़ित और दिव्यांग लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा खालिस्तानी अलगाववाद, रिपोर्ट में चेतावनी

विश्व केसरी

ओटावा। कनाडा में अलगाववाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकारने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता।

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगाववादी एजेंडे को वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित प्रतिबंधों को लागू करना, एयर इंडिया विमान बम विस्फोट के दोषियों का महिमामंडन करने वाले समूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिसंघ से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक अहमियत नहीं देना जरूरी है।

कुछ विज्ञापनों का भी उल्लेख करते हुए आगे कहा गया, 'कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।' इसी बीच, एयरड्री के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित 'पंजाब की स्वतंत्रता पर अल्बर्टा जनमत संग्रह' की ओर ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) का हाथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इस संगठन ने सार्वजनिक रूप से अल्बर्टा के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक रैली को 'पंजाब जनमत संग्रह और अल्बर्टा की स्वतंत्रता', दोनों अभियानों के लिए मंच के रूप में पेश किया है।

संगठन ने अल्बर्टा के लोगों को आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने देने के लिए कनाडा सरकार की भी सराहना की है।

अल्बर्टा की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले एक वक्ता ने खालिस्तान समर्थक रैली में कहा कि इस आयोजन से उन्हें अपने अभियान के लिए प्रेरणा मिलती है।

खामेनेई की हत्या 'गलती' थी, इससे हमारा हित नहीं सधाः इजरायली नेता यायर गोलान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इजरायल की प्रमुख विपक्षी पार्टी 'द डेमोक्रेट्स' के नेता यायर गोलान ने ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या को 'गलती' करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे इजरायल के राष्ट्रीय हितों को फायदा नहीं पहुंचा। उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गोलान ने कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि खामेनेई की हत्या एक गलती थी। ऐसा इसलिए नहीं कि वह मौत के हकदार नहीं थे, बल्कि इसलिए कि इससे इजरायल के हितों की पूर्ति नहीं होती।' उन्होंने आगे लिखा, 'खामेनेई को खत्म करना एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता था। लेकिन हमने एक बेहतरीन रणनीतिक मौका गंवा दिया।'

वर्तमान सत्ता को निशाने पर लेते हुए कहा, ' इजरायल की सुरक्षा पक्की करने वाली क्षेत्रीय कूटनीतिक पहल का नेतृत्व करने के बजाय स्थिति को संभालने के लिए कोई कूटनीतिक रणनीति नहीं बनाई। नतीजा यह हुआ कि अनुभवी नेतृत्व के हटने से ईरान के सुरक्षा ढांचे में सबसे ऊपर बैठे और भी ज्यादा कट्टर और हिंसक गुटों की ताकत बढ़ गई।

उनके अनुसार, 'इस तरह एक ऐतिहासिक सैन्य कामयाबी एक गंभीर रणनीतिक विफलता में बदल जाती है। नेतन्याहू को उनके फैसलों और उनके बाद बनी स्थिति के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' गोलान ने ईरान की सरकार को सत्ता से हटाने के नेतन्याहू के उद्देश्य पर भी सवाल उठाए। उन्होंने इस लक्ष्य को 'अवास्तविक' बताते हुए संकेत दिया कि सैन्य कार्रवाई के जरिए ईरान की मौजूदा सत्ता व्यवस्था को बदलने का प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता।

तमिलनाडुः उपचुनावों में हार और गठबंधन के कमजोर होने के बावजूद डीएमके का वोट शेयर बरकरार

विश्व केसरी

चेन्नई। उपचुनाव में दोनों सीटें (मदुरंतकम और धारापुरम) हारने के बाद डीएमके की ओर से कहा गया कि उसने अपना वोट शेयर बनाए रखा है। कई पुराने सहयोगियों का साथ छोड़ देने के बाद भी उसके चुनावी समर्थन पर बहुत कम असर पड़ा है।

दोनों सीट पर पार्टी दूसरे नंबर पर रही। मदुरंतकम में डीएमके ने अपनी स्थिति बेहतर की। विधानसभा चुनाव में पार्टी तीसरे नंबर पर थी। वहीं, मदुरंतकम में उसके वोट शेयर में एक प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा और धारापुरम में आधे प्रतिशत से कम की गिरावट आई है। विधानसभा चुनाव में मदुरंतकम से मरगथम कुमारवेल और धारापुरम से सत्यभामा ने एआईएडीएमके के उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी। अब उपचुनाव में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) उम्मीदवार के तौर पर दोनों ने जीत हासिल की है।

उपचुनाव में पांच पार्टियों के बीच मुकाबला था, लेकिन मुख्य लड़ाई सत्ताधारी टीवीके, डीएमके और एआईएडीएमके के बीच थी। नतीजों से समझा जा सकता है कि डीएमके के वोट शेयर में बहुत अंतर नहीं आया है, लेकिन उसका गठबंधन काफी कमजोर रहा।

कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथाइगल काची, एमडीएमके, सीपीआई (एम), सीपीआई और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग जैसी पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग हो गईं थी। डीएमके छोटी पार्टियों (मनिथानेया जननायगा काची और मनिथानेया मक्कल काची) के गठबंधन के साथ मुकाबले में उतरी थी।

मदुरंतकम में, डीएमके उम्मीदवार अमुलु पोनमलार को आम चुनाव में 59,838 वोट मिले थे। उन्हें 30.18 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, लेकिन वे तीसरे नंबर पर रही थीं। उपचुनाव में, पार्टी उम्मीदवार आई. परंथमन 29.15 प्रतिशत वोट शेयर के साथ दूसरे नंबर पर रहे। 1.03 प्रतिशत वोटों की कमी आई।

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने ओबीसी की पीठ में छुरा घोंपा : कांग्रेस

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर आए जबलपुर उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार ने ओबीसी की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। दरअसल राज्य में ओबीसी को 14 से बढ़कर 27 आरक्षण दिए जाने का मामला जबलपुर उच्च न्यायालय में लंबित था। इस मामले पर शुक्रवार को न्यायालय की दो जजों की खंडपीठ ने अपना फैसला सुनाया।

इस फैसले के मुताबिक ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण ही मिलेगा। आरक्षण बढ़ाने का अध्यादेश तत्कालीन कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने लाया था। जबलपुर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद राज्य की सियासत गरमाई हुई है। भाजपा जहां कांग्रेस के अध्यादेश पर ही सवाल उठा रही है, वहीं कांग्रेस राज्य सरकार पर हमलावर है।

विधानसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कांग्रेस मुख्यालय भोपाल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और सरकार की पहल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आए फैसले से प्रदेश की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले ओबीसी समाज की उम्मीदों को झटका लगा है।

उन्होंने बताया कि समाज को उम्मीद थी कि 27 प्रतिशत आरक्षण से बच्चों को शिक्षा और रोजगार में नए अवसर मिलेंगे। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अदालत ने कानून और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय दिया, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी थी कि वह अपने पक्ष में मजबूत और विश्वसनीय तथ्य प्रस्तुत करे।

यूपी : प्रदेश की मंडियों में चलेगा 15 दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान, साफ-सफाई से बदलेगी तस्वीर

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में उत्तर प्रदेश की कृषि उत्पादन मंडियों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा किसानों को स्वच्छ एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने 'स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान-2026' संचालित करने का निर्देश दिया है।

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने अक्टूबर, 2026 में प्रदेश की सभी मंडी एवं उपमंडी स्थलों पर व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत मंडी परिसरों में जमा कूड़े, बंद नालियों, जलभराव वाले स्थानों, शौचालयों, नीलामी चबूतरे, दुकानों और किसान विश्राम गृहों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अभियान के दौरान मंडी समितियों के अनुबंधित सफाई ठेकेदारों को अपने सभी सफाई कर्मियों को लगाकर युद्धस्तर पर सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं। मंडी परिसर के प्रत्येक हिस्से की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। विशेष रूप से नालियों में फंसे अपशिष्ट तथा पानी जमा होने वाले स्थानों को चिह्नित कर उनकी सफाई कराई जाएगी। अक्टूबर माह में धान और अन्य कृषि उत्पादों की अधिक आवक तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए मंडियों में यातायात और परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

इस अभियान के अंतर्गत मंडी परिसर में स्थित नीलामी चबूतरों के आसपास की नालियों में जमा कूड़े को हटाने तथा चबूतरों और उनसे संबंधित संरचनाओं की सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन स्थानों पर नमी रहती है।

वलसाड के 46 आदिवासी गांवों को मिलेगा सिंचाई जल, 1,331 करोड़ रुपए की दमन-गंगा परियोजना को मिली मंजूरी

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने वलसाड जिले के कपराडा और धरमपुर के आदिवासी तालुकों के 46 गांवों में कृषि के लिए जल उपलब्ध कराने के लिए 1,331.30 करोड़ रुपए की लिफ्ट सिंचाई परियोजना को मंजूरी दे दी है। इन गांवों में पारंपरिक नहर सिंचाई की सुविधा सीमित है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दमन-गंगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य मधुबन जलाशय से जल उठाकर पहाड़ी क्षेत्र में पहुंचाकर 17,000 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचित करना है। सरकारी बयान के मुताबकि, परियोजना प्रारंभ होने से पहले अंतिम चरण में है।

कपराडा और धरमपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में निकटवर्ती जलाशय में पानी की उपलब्धता के बावजूद लंबे समय से जल संकट बना हुआ है। दक्षिण गुजरात के निचले तटीय मैदानों के विपरीत, जहां गुरुत्वाकर्षण-आधारित नहर नेटवर्क का लाभ मिलता है, ये ऊंचे क्षेत्र मौजूदा नहर वितरण प्रणाली से ऊपर स्थित हैं।

परिणामस्वरूप, किसान भूजल पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिससे बहु-फसली खेती की संभावना सीमित हो गई है।

राज्य सरकार के नर्मदा जल संसाधन, जल आपूर्ति और कल्पसर विभाग ने उपयुक्त मार्ग की पहचान करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और इंजीनियरिंग आकलन कराए।

कई विकल्पों का मूल्यांकन करने के बाद परियोजना के लिए विकल्प-3 का चयन किया गया। प्रस्तावित पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग 53 किमी की मुख्य पाइपलाइन और 188 किमी से अधिक की शाखा और सहायक पाइपलाइन शामिल होंगी।

यह प्रणाली समुद्र तल से 65 मीटर से 382 मीटर की ऊंचाई तक जल परिवहन करेगी।

रणजी ट्रॉफी: स्टार खिलाड़ियों के साथ युवा जोश पर निगाहें

आज से 92वें सीजन की शुरुआत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

कुछ खिलाड़ियों के लिए रणजी ट्रॉफी नेशनल टीम में वापसी का दावा पेश करने का एक अहम मौका होगा - जैसे मुंबई के सरफराज खान और कर्नाटक के करुण नायर। मुंबई के आयुष म्हात्रे और झारखंड के बाएं हाथ के ओपनर शिखर मोहन जैसे युवा खिलाड़ी रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करेंगे।

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शम भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।

चार सदस्यीय चयन समिति की नजरें विदर्भ के हर्ष दुबे, प्रफुल्ल हिंगे, यश राठौड़ और उत्तर प्रदेश के लेग-स्पिनर जीशान अंसारी पर भी होंगी। उमेश यादव (पंजाब), हर्षल पटेल (गुजरात), मनदीप सिंह और हनुमा विहारी (दोनों त्रिपुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ी अहम मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे।

हालांकि, शुरुआती दौर में भारत के बड़े नाम चर्चा में रहेंगे, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या घरेलू क्रिकेट के नए खिलाड़ी गुमनामी से निकलकर राष्ट्रीय रेड-बॉल टैलेंट पूल को नई दिशा दे पाते हैं या नहीं?

अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) के दो गुटों के बीच जारी कानूनी विवाद के कारण अरुणाचल प्रदेश के नागालैंड के खिलाफ मैच गंवाने का खतरा बना हुआ है। अब यह देखना होगा कि यह कानूनी गतिरोध कब खत्म होगा, ताकि राज्य के क्रिकेटर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका न गंवाएं।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन के ग्रुप:

ग्रुप-ए: बिहार, बड़ौदा, गोवा, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश और विदर्भ।

ग्रुप-बी: कर्नाटक, आंध्र, सौराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, त्रिपुरा, पंजाब और असम।

ग्रुप-सी: बंगाल, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, सर्विसेज और ओडिशा।

ग्रुप-डी: मुंबई, राजस्थान, हरियाणा, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और रेलवे।

प्लेट ग्रुप: मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश।

शंघाई मास्टर्स: जोडर-फेलिक्स ने बनाई तीसरे दौर में जगह, शानदार वापसी कर दर्ज की जीत

विश्व केसरी ■

शंघाई। राफेल जोडर और फेलिक्स ऑगर-एलियासिम ने शनिवार को शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबलों में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की और राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई।

12वीं वरीयता प्राप्त जोडर ने अपने डेब्यू टूर्नामेंट में अगले राउंड में पहुंचने के लिए थियागो अगस्टिन टिरंटे को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, ऑगर-एलियासिम ने कैमिलो उगो काराबेली से मिली कड़ी चुनौती का सामना करते हुए दो घंटे 58 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 4-6, 7-6(1), 7-5 से जीत दर्ज की।

जोडर का यह सीजन शानदार रहा है। जनवरी में रैंकिंग में टॉप 100 से बाहर रहने के बाद वह 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं और अब टॉप 10 में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अप्रैल 2026 में माराकेच में अपना पहला टूर-लेवल खिताब जीता था और फ्रेंच ओपन में क्वार्टर फाइनल तक भी पहुंचे थे। हालांकि, यूएस ओपन 2026 और हाल ही में जापान ओपन में जल्दी बाहर होने के बाद उन्हें शंघाई मास्टर्स टूर्नामेंट में एक मजबूत प्रदर्शन की जरूरत थी।

पहला सेट हारने के बाद स्पेन के इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी की। दूसरे सेट में उन्होंने अपने पहले सर्व पर 93 प्रतिशत प्वाइंट्स जीते। मैच के दौरान मिले 10 ब्रेक प्वाइंट्स में से नौ बार उन्होंने अपनी सर्विस बचाई और विरोधी की सर्विस तीन बार तोड़कर जीत हासिल की। दूसरी ओर, फेलिक्स ऑगर-एलियासिम को जीत के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी।

दूसरे सेट में उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली थी, लेकिन वह इसे बरकरार नहीं रख सके और मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंच गया। हालांकि, उन्होंने टाई-ब्रेक जीतकर मैच में बढ़त बनाई। तीसरे सेट में भी उन्हें कड़ी टक्कर मिली, लेकिन आखिरकार उन्होंने मैच जीतकर अगले दौर में जगह पक्की कर ली।

इससे पहले, डेनिल मेदवेदेव ने भी शानदार वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया और शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बनाई। मेदवेदेव ने पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया और लगातार अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ 2026 में हार्ड कोर्ट पर उनकी जीतों की संख्या 31 हो गई है। इस साल वह दुबई, ब्रिस्बेन और हांगझोऊ में भी खिताब जीत चुके हैं। 2019 में शंघाई मास्टर्स का खिताब जीतने वाले मेदवेदेव अब राउंड ऑफ 32 में खेलेंगे। अगले दौर में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी और डेलिबोर स्वर्सीना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

चेल्सी के साथ बने रहेंगे फॉरवर्ड खिलाड़ी कोल पामर

विश्व केसरी ■

लंदन। चेल्सी फुटबॉल क्लब के फॉरवर्ड खिलाड़ी कोल पामर ने एक नए कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है, जिसके तहत वह साल 2034 तक क्लब से जुड़े रहेंगे। अगस्त 2023 में टीम में शामिल होने के बाद से ही उन्होंने खुद को टीम के मुख्य अटैकिंग खिलाड़ियों में से एक के तौर पर स्थापित किया है।

24 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी के लिए 138 मैचों में 91 गोल में योगदान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने क्लब को फीफा क्लब वर्ल्ड कप और यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग जिताने में भी अहम भूमिका निभाई है। पामर ने कहा कि वह चेल्सी के साथ अपना भविष्य जोड़ने को लेकर बहुत खुश हैं और उन्हें विश्वास है कि क्लब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पामर ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'चेल्सी क्लब मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मुझे लगता है कि क्लब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए मैं इस कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करके बहुत खुश हूं।' पामर ने आगे कहा, 'क्लब के मालिकों, स्पोर्टिंग डायरेक्टर्स और मैनेजर से बात करने के बाद मुझे भविष्य को लेकर काफी भरोसा मिला। इसी कारण नया कॉन्ट्रैक्ट साइन करना मेरे लिए आसान फैसला था। जब मैंने टीम के खिलाड़ियों से बात की, तो मुझे महसूस हुआ कि सभी का लक्ष्य एक जैसा है। हम सभी बड़े खिताब जीतना चाहते हैं।

चाइना ओपन: किनवेन झेंग ने बनाई सेमीफाइनल में जगह, एलिना स्वितोलिना को हराया

विश्व केसरी ■

बीजिंग। किनवेन झेंग ने शुक्रवार को बीजिंग में चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की छठी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-3, 7-6(6) को हराकर घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन किया।

गुरुवार को अपना 24वां जन्मदिन मनाने वाली झेंग ने एक घंटे 47 मिनट तक चले मुकाबले में स्वितोलिना की सर्विस चार बार तोड़ी और उन्हें हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। यह उनका दूसरा चाइना ओपन सेमीफाइनल और इस साल का पहला डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल है। वह 2024 में भी बीजिंग में अंतिम-चार के दौर में पहुंची थीं, जहां उन्हें कैरोलिना मुचोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

झेंग की इस सीजन में टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ यह दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन के राउंड ऑफ 16 में इगा स्वियातेक को हराया था। अब वह अपने पहले मास्टर्स 1000-लेवल के खिताब की तलाश करेंगी, क्योंकि वह पहले ही दो डब्ल्यूटीए 250, दो डब्ल्यूटीए 500 और एक ओलंपिक गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

मैच की बात करें तो, वाइल्डकार्ड एंट्री वाली झेंग ने पहले सेट में अपनी प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तीन बार तोड़ी। उन्होंने मैच की शुरुआत सर्विस ब्रेक के साथ की और फिर सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल किया। हालांकि, स्वितोलिना ने थोड़ी देर के लिए उम्मीद बनाए रखी जब उन्होंने नौवें गेम में चीनी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी, जबकि झेंग 5-3 के स्कोर पर सेट के लिए सर्विस कर रही थीं। हालांकि, हाल ही में 24 साल की हुईं झेंग ने वापसी करते हुए फिर से सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

दोनों खिलाड़ी लगातार अपनी सर्विस गेम जीतते रहे। दूसरे सेट के सातवें गेम में यूक्रेन की खिलाड़ी ने झेंग की सर्विस ब्रेक कर 4-3 की बढ़त बना ली। हालांकि, झेंग ने तुरंत जवाब देते हुए अगला गेम जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी, जिससे मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंच गया।

टाई-ब्रेक में झेंग 0-2 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने अगले चार प्वाइंट जीतकर 4-2 की बढ़त बना ली, और बाद में स्कोर फिर से 6-6 से बराबर हो गया। हालांकि, झेंग ने 8-6 के स्कोर पर अपने दूसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की और सेट व मैच अपने नाम किया।

आईपीएल 2027 में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं हटाया जाना चाहिए: दिनेश कार्तिक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बैटिंग कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक चाहते हैं कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम कम से कम आईपीएल 2027 तक बना रहे। उनका कहना है कि आईपीएल साइकिल के बीच में इस विवादित नियम को हटाना समझदारी भरा फैसला नहीं होगा।

हालांकि, कार्तिक ने इस नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारत के लिए ऑलराउंडर तैयार करने के मौके कम हो रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने आईपीएल 2027 में इस नियम को बनाए रखने का समर्थन किया। 'क्रिकबज' से बात करते हुए उन्होंने कहा कि टीमों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को ध्यान में रखकर ही अपनी टीमें बनाई हैं, और आईपीएल साइकिल के बीच में इसे हटाना सही नहीं होगा।

कार्तिक ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा, 'जब यह नियम (इम्पैक्ट प्लेयर) पहली बार आया था, तो यह बहुत अच्छा था क्योंकि तब हाई-स्कोरिंग मैच होते थे और कई टीमें लक्ष्य का पीछा करने के करीब पहुंच जाती थीं। मगर अजीब बात है कि पिछले सीजन में बहुत कम करीबी मैच देखने को मिले। ऐसा लगा जैसे एक टीम ने बहुत ज्यादा रन बनाए और दूसरी टीम ने आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया।

चेन्नई में बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू, पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

विश्व केसरी ■

मेलबर्न। मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है।

12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इससे फैंस को खेल के कुछ बड़े नामों के साथ एक अनोखा अनुभव मिलेगा। बल्ले से आतिशबाजी, मैदान पर रोमांच और वर्ल्ड-क्लास एंटरटेनमेंट के साथ, यह दिन बीबीएल मैच का अनुभव लेने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए यादगार होगा।'

इस साल मई में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेन्नई में होने वाले आखिरी घरेलू मैच के लिए आया था। इस मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास भी उनके साथ शामिल हुए थे। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने चेन्नई में बीबीएल सीजन 16 का ओपनिंग मैच आयोजित करने के लिए बीसीसीआई से संपर्क किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। पर्थ स्कॉर्चर्स मौजूद बीबीएल चैंपियन हैं, जिन्होंने प्रतियोगिता के इतिहास में रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता है। डॉब्सन ने आगे कहा, 'इन मैचों के लिए शुरुआती जबरदस्त मांग और स्थानीय क्रिकेट-प्रेमी समुदाय को देखते हुए उम्मीद है कि 12 दिसंबर को स्टेडियम पूरी क्षमता से भरा होगा और बाहर से आने वाले फैंस का जोरदार स्वागत किया जाएगा।

लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा खास: हालैंड

विश्व केसरी ■

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है।

'जियोस्टार' द्वारा शेयर किए गए एक इंटरव्यू में हालैंड ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अच्छा समय बिताएंगे।' हालैंड की ये बातें ऐसे समय में आई हैं जब सिटी इंटरनेशनल ब्रेक के बाद अपना प्रीमियर लीग अभियान फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही, क्लब के वित्तीय नियमों के उल्लंघन के मामले ने भी उनके सीजन को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है।

सिटी ने इस मामले में किसी भी गलत काम से इनकार किया है और प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित उल्लंघन के बारे में एक स्वतंत्र आयोग के निष्कर्षों के खिलाफ एक अपील में शामिल है, जो अभी तक सुलझी नहीं है। कार्यवाही जारी रहने के कारण संभावित प्रतिबंध क्लब के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बने हुए हैं।

मैदान पर सिटी ने लीग सीजन की शानदार शुरुआत की है। उन्होंने इंटरनेशनल ब्रेक से पहले अपने शुरुआती पांच मैच जीतकर स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हालांकि, उन्हें एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ एक कठिन चुनौती का सामना करना है, जहां घरेलू वर्चस्व की हालिया लड़ाइयों के दौरान दोनों टीमों के बीच कई कड़े मुकाबले हुए हैं।हालैंड ने लिवरपूल का सामना करने के खास महत्व को स्वीकार किया। उन्होंने याद किया कि कैसे साल्जबर्ग और बोरूसिया डॉर्टमुंड में अपने समय के दौरान उन्होंने सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जुर्गन क्लॉप के बीच की प्रतिद्वंद्विता को देखा था।

उन्होंने कहा, 'लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा खास होता है, खासकर इसलिए क्योंकि पेप और क्लॉप वर्षों से एक-दूसरे के आमने-सामने रहे हैं। मुझे याद है कि साल्जबर्ग और डॉर्टमुंड में बैठकर मैं लिवरपूल बनाम मैन सिटी के मैच देखता था और देखता था कि पेप और क्लॉप एक-दूसरे को कितना आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे।

जिम्बाब्वे अफ्रीकी पेमेंट सिस्टम को बदलने के लिए भारत के यूपीआई स्टैक का कर सकता है इस्तेमाल: रिपोर्ट

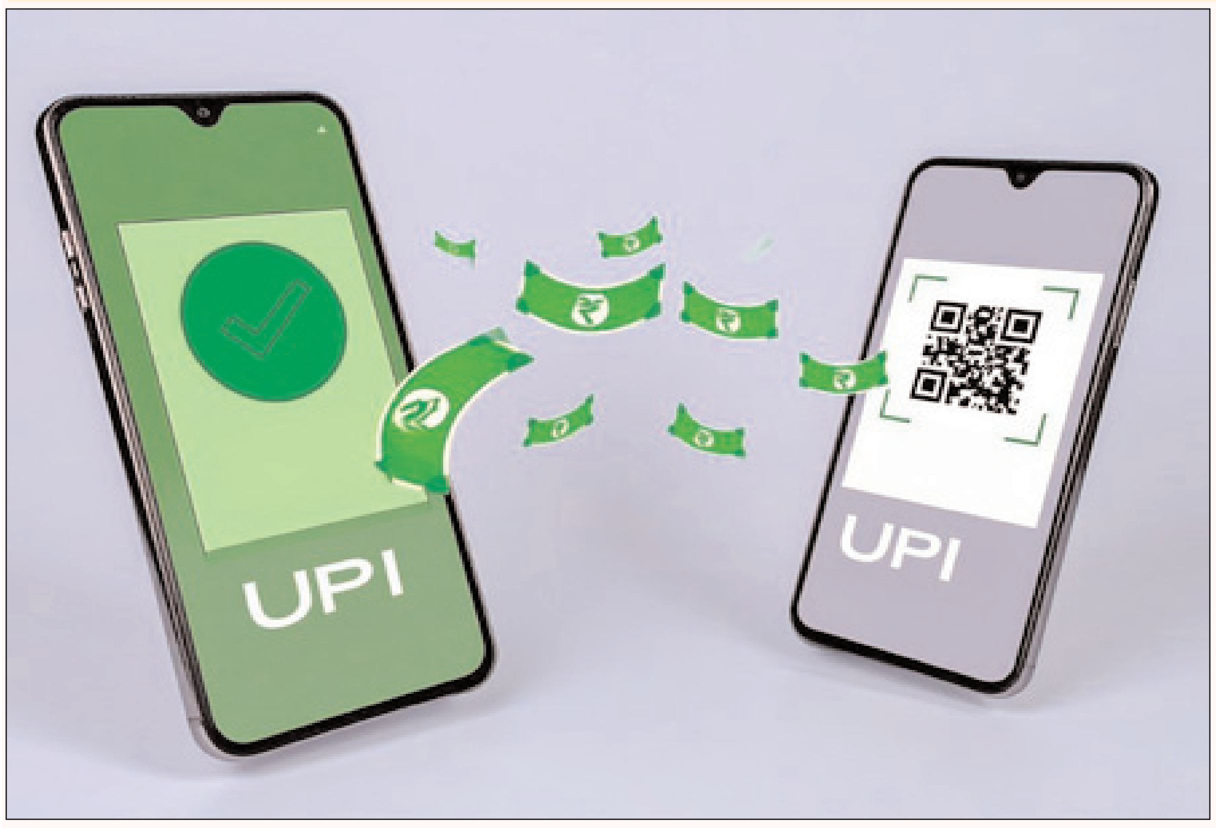

विश्व केसरी

मुंबई। जिम्बाब्वे रियल-टाइम पेमेंट के लिए एक साझा घरेलू सिस्टम के तौर पर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की टेक्नोलॉजी का लाइसेंस लेने के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) के साथ बातचीत कर रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनआईपीएल, यूपीआई का संचालन करने वाली सरकारी कंपनी भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय इकाई है और इसने दूसरे देशों में यूपीआई जैसा इन्फ्रास्ट्रक्चर पहुंचाया है।

'इंडिया नैरेटिव' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह का घरेलू सिस्टम बैंकों, मोबाइल-मनी ऑपरेटरों और फिनटेक कंपनियों को एक ही पब्लिक लेयर पर रियल-टाइम में ट्रांसफर क्लियर करने में मदद करेगा।

जिम्बाब्वे के रिजर्व बैंक के गवर्नर जॉन मुशायावान्हु ने कहा कि इस कदम से लागत कम हो सकती है, ट्रांसफर तेज हो सकते हैं और छोटे घरेलू लेन-देन के लिए कार्ड के बजाय अकाउंट-टू-अकाउंट पेमेंट का विकल्प मिल सकता है।

मुशायावान्हु ने कहा कि इसके बाद सीमा-पार इस्तेमाल और रेमिटेंस (विदेश से पैसे भेजने) की सुविधा भी शुरू हो सकती है और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) के साथ बातचीत 31 अक्टूबर तक पूरी हो सकती है।

जिम्बाब्वे में पहले से ही बड़ी संख्या में डिजिटल ट्रांजैक्शन होते हैं, लेकिन वहां कम लागत वाला कोई कॉमन पेमेंट सिस्टम नहीं है। जिम्बाब्वे के नेशनल सिस्टम ने 2025 की चौथी तिमाही में 23.8 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन किए,इनमें से लगभग 87 प्रतिशत ट्रांजैक्शन मोबाइल मनी के जरिए हुए और एक्टिव मोबाइल-फाइनेंशियल-सर्विस यूजर्स की संख्या लगभग 1.1 करोड़ थी।

रिपोर्ट में बताया गया, '2025 में विदेशों में रहने वाले नागरिकों से आने वाली राशि बढ़कर 2.45 अरब डॉलर हो गई, जो 2024 में 2.15 अरब डॉलर थी। 2025 की शुरुआत में आए कुल पैसे में से ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका, दोनों का हिस्सा एक-चौथाई से थोड़ा ज्यादा था। ये डॉलर परिवारों की आय और विदेशी मुद्रा का स्रोत हैं, और माइनिंग के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि 2025 में सब-सहारा अफ्रीका में 200 डॉलर भेजने की औसत लागत लगभग 8 प्रतिशत रही है, जबकि ग्लोबल औसत लगभग 6.5 प्रतिशत और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) का लक्ष्य 3 प्रतिशत है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवसः सात में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस अवसर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्लूएचओ) ने बताया है कि लगभग हर 7 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) की समस्या से जूझ रहा है।

डब्लूएचओ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'जिन लोगों को खुद मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव रहा है, वे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को हर स्तर पर बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं, चाहे वह सेवाओं को डिज़ाइन करना हो, उन्हें लोगों तक पहुंचाना हो या उनमें सुधार करना हो। साथ मिलकर काम करके, अनुभव रखने वाले लोग और मानसिक स्वास्थ्य सिस्टम, पॉलिसी और रिसर्च में काम करने वाले विशेषज्ञ ऐसी देखभाल व्यवस्था बना सकते हैं जो व्यक्ति-केंद्रित हो, अधिकारों पर आधारित हो और जिसमें सम्मान को प्राथमिकता दी जाए। समुदाय-आधारित सेवाओं को मजबूत बनाएं, देखभाल की निरंतरता को बनाए रखें और हर बातचीत को सार्थक बनाएं।'

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने एक नई गाइड जारी की है। इसका मकसद देशों की मदद करना है ताकि वे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के ऐसे मॉडल से हट सकें जिनमें मरीज़ों को लंबे समय तक मनोरोग अस्पतालों में रखा जाता है, और इसके बजाय समुदाय में ऐसी देखभाल अपना सकें जो लोगों के अधिकारों और पसंद का सम्मान करती हो।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे कई लोग अभी बड़े मनोरोग अस्पतालों और सोशल केयर संस्थानों में रह रहे हैं। इनमें से लगभग आधे लोगों को महीनों, सालों या दशकों तक बिना उनकी मर्जी के इन जगहों पर रखा जाता है, जिससे वे बाहरी दुनिया से कट जाते हैं।

इस प्रक्रिया को 'डी-इंस्टीट्यूशनलाइज़ेशन' (डीआई) कहा जाता है। इसमें उन लोगों की मदद की जाती है जिन्होंने मनोरोग अस्पतालों में लंबा समय (छह महीने या उससे ज़्यादा) बिताया है, ताकि वे अपने समुदाय में वापस लौट सकें और अच्छी जिंदगी जीने के लिए ज़रूरी देखभाल, मदद और मौके पा सकें।

डब्लूएचओ के डायरेक्टर-जनरल डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने कहा, 'लगातार मानसिक स्वास्थ्य सहायता पाने के लिए लोगों को अपनी आजादी, सम्मान या समुदाय में अपनी जगह नहीं छोड़नी चाहिए। देशों को लंबे समय तक चलने वाली संस्थागत देखभाल पर निर्भरता कम करनी चाहिए और संस्थानों से निवेश हटाकर समुदाय में अधिकारों पर आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और सहायता की ओर तेज़ी से बढ़ना चाहिए।

कई देश समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन प्रगति एक जैसी नहीं है। डब्लूएचओ के 'मेंटल हेल्थ एटलस' से पता चला है कि रिपोर्ट करने वाले देशों में से केवल 9 फीसदी ही पूरी तरह से समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर बढ़े हैं, जबकि आधे से ज्यादा (53 फीसदी) देश अभी भी सुधार के शुरुआती चरण में हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर टेली-मानस बना सहारा, अब तक 47 लाख से ज्यादा कॉल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 मनाएगा। इस बार का वैश्विक विषय है 'लिव्ड एक्सपीरिएन्स हर्डः रीयल वॉइसेज, रीयल चेंज'। सरकार का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा को सुलभ, किफायती, समावेशी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में काम जारी है।

इस कड़ी में टेली-मानस कार्यक्रम देश की मानसिक स्वास्थ्य सेवा का अहम स्तंभ बनकर उभरा है। टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 के जरिए पूरे भारत में लोगों को मुफ्त, गोपनीय और 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है।

10 अक्टूबर 2022 को लॉन्च होने के बाद से टेली-मानस पर अक्टूबर 2026 तक 47,75,644 कॉल आ चुके हैं। देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 53 टेली-मानस सेल काम कर रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि इस सेवा का लाभ महिलाएं भी बड़ी संख्या में ले रही हैं। कुल रिकॉर्ड किए गए 13,35,275 कॉलर्स में 43.78 प्रतिशत यानी 5,84,587 महिलाएं हैं, जबकि 54.18 प्रतिशत पुरुष हैं। इससे पता चलता है कि टेलीफोन परामर्श ने महिलाओं के लिए मदद लेना आसान बनाया है।

सबसे ज्यादा कॉल 18 से 45 साल के युवा और कामकाजी उम्र के लोगों ने किए हैं, जो कुल कॉलर्स का 73.2 प्रतिशत हैं। लोग भावनात्मक परेशानी, चिंता, तनाव, परीक्षा, कार्यस्थल और रिश्तों से जुड़े तनाव और नींद की समस्याओं को लेकर संपर्क कर रहे हैं।

टेली-मानस बहुभाषी सेवा है। इस पर लोग बिना किसी हेल्थ सेंटर जाए, घर बैठे प्रशिक्षित काउंसलर से बात कर सकते हैं।

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन, जानें लाभ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येंद्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया।

संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ आधा, 'मत्स्य' का अर्थ मछली और 'इंद्र' का अर्थ राजा होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस आसन के

नियमित अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है।

यह एक प्रमुख 'ट्विस्टिंग' (मोड़ने वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकड़न को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें।

हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येंद्रासन (पूर्ण मत्स्येंद्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येंद्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं।

परिवृत्त बद्ध पार्श्वकोणासन क्या है? जानिए फायदे और सावधानियां

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शारीरिक लचीलापन, मानसिक एकाग्रता को एक साथ साधने वाले आसनों में 'परिवृत्त बद्ध पार्श्वकोणासन' का विशेष स्थान है। यह आसन मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के ट्विस्ट और हाथों की बंध स्थिति का एक अनूठा संगम है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

संस्कृत में 'परिवृत्त' का अर्थ है घूमा हुआ, 'बद्ध' का अर्थ है बंधा हुआ और 'पार्श्वकोण' का अर्थ है बगल का कोण। इस आसन में शरीर को एक तरफ घुमाते हुए गहरा बंध लगाया जाता है, जो शरीर को एक नया आकार और

ऊर्जा देता है। यह न सिर्फ शरीर के निचले हिस्से (पैरों और जांघों) को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि पाचन तंत्र की गहरी मालिश कर शरीर को अंदर से डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने में भी सहायक होता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन शरीर में संतुलन, मानसिक दृढ़ता और आंतरिक अंगों की शुद्धि के लिए बेहद प्रभावी माना गया है। यह सिर्फ एक स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज नहीं है बल्कि यह पाचन तंत्र को सक्रिय करने, रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने और शरीर के भीतर जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का एक शक्तिशाली अभ्यास है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

यह आसन पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। इसे करने के दौरान पेट के अंगों पर गहरा दबाव पड़ता है, जिससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, कब्ज व ब्लोटिंग दूर होती है और शरीर से टॉक्सिन्स आसानी से बाहर निकलते हैं। यह रीढ़ की हड्डी के रोटेशन को बढ़ाता है, जिससे पीठ और कमर की जकड़न दूर होती है। यह क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग, घुटनों और टखनों को मजबूत करता है।

हाथों के बंधने और छाती के खुलने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर होती है और गहरी सांस लेने में मदद मिलती है। यह आसन शरीर में मणिपुर चक्र को सक्रिय करता है, जिससे व्यक्ति में आत्मविश्वास, इच्छाशक्ति और मानसिक एकाग्रता का विकास होता है।

यदि किसी व्यक्ति के घुटनों, कंधों, रीढ़ की हड्डी या गर्दन में कोई हालिया चोट या गंभीर दर्द हो, तो इस आसन को बिल्कुल न करें।

भारतमाला सड़क परियोजना से प्रभावित किसानों की समस्याओं पर कांग्रेस जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। भारतमाला सड़क परियोजना के अंतर्गत रायपुर से विशाखापट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य से प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं की वास्तविक स्थिति जानने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव के निर्देशानुसार पूर्व में गठित जांच समिति ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर अपनी जांच रिपोर्ट जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय कांकेर में प्रस्तुत कर दी है।

जांच समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक शंकर ध्रुवा के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने प्रभावित गांवों का दौरा कर किसानों एवं ग्रामीणों से सीधे चर्चा की तथा उनकी समस्याओं की जानकारी एकत्रित की। इस दौरान प्रभावित किसानों के मौखिक एवं लिखित बयान के साथ संबंधित दस्तावेज भी संकलित किए गए।

जांच समिति की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि भारतमाला सड़क निर्माण के कारण कई स्थानों पर खेतों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है, जिससे किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। वहीं खेतों तक आने-जाने के लिए समुचित रास्ता नहीं होने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण से प्रभावित कुछ किसानों ने अब तक मुआवजा राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत भी समिति के समक्ष रखी है।

स्कूली बच्चों के आवागमन की समस्या भी रिपोर्ट में शामिल - जांच समिति ने ग्राम मावलीपारा में संचालित हाईस्कूल तक पहुंच मार्ग की समस्या को भी अपनी रिपोर्ट में प्रमुखता से उठाया है। ग्रामीणों के अनुसार भारतमाला सड़क निर्माण के दौरान बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए फ्लाईओवर पुल निर्माण की मांग की गई थी।

ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने की बात भी कही, लेकिन अब तक पुल का निर्माण नहीं होने से विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को जल्द प्रशासन के समक्ष रखेगी जिला कांग्रेस कमेटी - जांच समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर ने संज्ञान में लिया है। रिपोर्ट में उल्लेखित समस्याओं का अध्ययन कर उनके निराकरण के लिए शीघ्र ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा करने तथा आवश्यक पहल करने की बात कही गई है। जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव ने प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं एवं न्यायसंगत मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों में जलभराव, फसल नुकसान, लंबित मुआवजा, खेतों तक पहुंच मार्ग तथा स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन जैसी समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। जिला कांग्रेस कमेटी प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों के साथ खड़ी है और आगे भी उनके हितों के लिए आवश्यक पहल करती रहेगी।

किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं के उचित समाधान के लिए संबंधित विभागों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया जाएगा।

नवरात्र के प्रथम दिन नगर निगम करेगा विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा शहर में विभिन्न विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया जाएगा। महापौर संजय पांडेय एवं समस्त जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विश्राम एवं सेवा केंद्र के रूप में नगर गुड़ी का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से चांदनी चौक तक नवनिर्मित स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण भी होगा।

नगर निगम द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 6000 लीटर क्षमता के माउंटेन वाटर टैंकर का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही रोड स्वीपिंग में कार्यरत स्वच्छता कर्मचारियों को ट्रॉली डस्टबिन वितरित किए जाएंगे। इन पहलों से शहर की स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

विभिन्न वार्डों में नाली निर्माण कार्यों का होगा भूमिपूजन

नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा।

कुशाभाऊ ठाकरे एवं अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड में नवोदय विद्यालय के हनुमान मंदिर तक 70 लाख 79 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण कराया जाएगा।

शिव मंदिर वार्ड में विष्णु जोगी के घर से निरंजन दास के घर तक 12 लाख 81 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य किया जाएगा।

राजेंद्र नगर वार्ड में गंगा मुंडा तालाब के किनारे 6 लाख 92 हजार रुपये की लागत से नाली का निर्माण कराया जाएगा।

छत्रपति शिवाजी वार्ड में शोभा के घर से गंगा के घर तक 9 लाख 96 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण होगा। इसी वार्ड में शिवम एवं राम ध्रुव के घर से राव निषाद के घर तक 9 लाख 95 हजार रुपये की लागत से नाली का निर्माण किया जाएगा।

वहीं, बलिराम कश्यप वार्ड में प्रज्ञा के घर से दिलीप सेठिया के घर तक 9 लाख 67 हजार रुपये की लागत से सीसी नाली का निर्माण कराया जाएगा।

नगर निगम द्वारा किए जा रहे इन विकास कार्यों का उद्देश्य शहर की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना, जल निकासी की समस्या का समाधान करना तथा नागरिकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

आंगनबाड़ियों में खत्म हो गया चावल-दाल, भूखे हैं बच्चे!

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। करपावंड सेक्टर के अंतर्गत आने वाले ज्यादातर आंगनबाड़ केंद्रों में चावल-दाल खत्म होने से हड़कंप मचा हुआ है। बच्चे दिनभर भूखे रहते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने इसका कड़ा विरोध किया है।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि शासन द्वारा इतना कम चावल-दाल दिया जाता है कि आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों की संख्या के हिसाब से एक महीना भी पूरा नहीं हो पाता है। बाकी के दिनों में उन्हें खुद के पैसों से एडजस्ट करना पड़ता है। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि आखिरकार आंगनबाड़ी का चावल जा कहां रहा है? इस गंभीर समस्या से बच्चों को भूखा रहने पर मजबूर होना पड़ रहा है और कार्यकर्ताओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई कार्यकर्ता आज अपनी जेब से खर्च कर बच्चों को खिला रहे हैं। इस मामले को लेकर करपावंड की सीडीपीओ आशा दास का कहना है कि एक सप्ताह के अंदर चावल वितरण कर दिया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि जब तक चावल नहीं पहुंचता, तब तक बच्चों का पोषण कैसे होगा? ग्रामीण बुधराम नेताम, नीलम कश्यप, महेश नेताम, प्रकाश नेताम, सरपंच जोगेंद्र भारती, कमल कश्यप, लखमू कश्यप, लक्ष्मीनाथ नेताम सुरेश नेताम ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आंगनबाड़ियों में पर्याप्त मात्रा में चावल-दाल की आपूर्ति की जाए और इस लापरवाही पर जांच कराई जाए।

भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर नुक्कड़ नाटक एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश एवं जिला स्तर पर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को नुक्कड़ नाटक एवं 'रंगोली के रंग राष्ट्र के संग' कार्यक्रम के आयोजन का दायित्व सौंपा गया है। भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर ने सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विभिन्न आयोजनों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को महाविद्यालय में 'नक्सल मुक्त भारत' विषय पर 1001 दीप प्रज्वलित कर की गई। इस आयोजन के माध्यम से शांति, सुरक्षा, विकास एवं नक्सलवाद से मुक्त समाज का संदेश दिया गया। इसके पश्चात 01 अक्टूबर को 'नमो सेवा गाथा' विषय पर जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर ने प्रथम स्थान, शासकीय महाविद्यालय, सरोना ने द्वितीय तथा शासकीय महाविद्यालय, नरहरपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सप्ताह का समापन, बाघ रथ से गांव-गांव पहुंचा संरक्षण का संदेश

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित वन्यजीव सप्ताह का समापन हो गया। 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक चले इस अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अभियान की शुरुआत वन मंत्री केदार कश्यप ने बाघ रथ को हरी झंडी दिखाकर की थी।

दूरस्थ गांवों में वन्यजीव संरक्षण की अलख - वन्यजीवों की सुरक्षा और उनके महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शुरू की गई बाघ रथ यात्रा बीजापुर जिले के अंदरूनी और संवेदनशील गांवों तक पहुंची।

रथ के माध्यम से ग्रामीणों को वन्यप्राणियों के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस पहल का संचालन मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देशन तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक सुमेध संजय सुरवाड़े के मार्गदर्शन में किया गया।

नवरात्रि पर्व को लेकर थाना अंतागढ़ में शांति समिति की बैठक

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। आगामी नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज थाना अंतागढ़ में थाना प्रभारी कोमल भूषण पटेल के द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों सहित नगर की सभी दुर्गा उत्सव समितियों के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान नवरात्रि पर्व के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था तथा नगर में शांति बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में थाना प्रभारी ने नवरात्रि के दौरान नगर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी धार्मिक कार्यक्रमों को आपसी सहयोग, भाईचारे और सद्भाव के साथ संपन्न कराने पर जोर दिया। उन्होंने दुर्गा उत्सव समितियों के सदस्यों से आयोजन के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने और प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की।

वीर सीताराम कंवर के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी सीताराम कंवर के बलिदान दिवस पर शुक्रवार की संध्या गोंडवाना भवन, बीजापुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कंवर समाज एवं सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने वीर सीताराम कंवर को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अदम्य साहस, संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वीर आदिवासी शहीदों के जयकारों के साथ हुआ। उपस्थित वक्ताओं ने वीर सीताराम कंवर के जीवन, संघर्ष और देश की आजादी में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए अनेक आदिवासी वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उनके त्याग, साहस और बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका - उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, वीर सीताराम कंवर का जन्म मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र के खरगोन जिले के डंग गांव में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया। बताया जाता है कि 9 अक्टूबर 1858 को अंग्रेजी सेना ने डंग गांव को घेर लिया था।

बस्तर के कर्मचारियों ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता एक लाख की राशि का चेक कलेक्टर को सौंपा

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जगदलपुर में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों के पुनर्व्यवस्थापन के लिए आज बस्तर जिले के विभिन्न कर्मचारी संगठन-तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, राजपत्रित अधिकारी संघ, आश्रम/छात्रावास अधिक्षक संघ, आई टी आई अधिकारी कर्मचारी संघ, लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ, नियमित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ ने कर्मचारियों से एक अपील के तहत कर्मचारियों से एकत्रित की गई एक लाख से अधिक की राशि का चेक बस्तर कलेक्टर को सौंपा।उपस्थित कर्मचारियों ने कलेक्टर महोदय को यह भी अवगत कराया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को अभी सबसे ज़्यादा ज़रूरत तालपतरी की है। जिसे कर्मचारी वर्ग शीघ्र ही इसे भी बाड़ प्रभावित परिवार में वितरित करेंगे। इस अवसर पर कर्मचारी नेता गजेंद्र श्रीवास्तव, कैलाश चौहान, संजय चौहान के अलावा मानसिंह भारद्वाज, तीजू कुमार, राम प्रभाकर मिश्रा, संजय वैष्णव, मोती लाल वर्मा, निराकार आचार्य, दिलीप कुमार, उमेश मेश्राम, राम जी मामड़ीकर, जीएल यादव, धर्मराज चौधरी, नीलम मिश्रा, हेमलता नायक, बुला चक्रवर्ती आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंतागढ़ में 13 अक्टूबर को निकलेगी रैली

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। गोंडवाना समन्वय समिति एवं सर्व आदिवासी समाज अंतागढ़ ब्लॉक के तत्वावधान में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को अंतागढ़ में रैली निकालने और ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया गया है। यह रैली सुबह 10 बजे बिजली चौक अंतागढ़ से शुरू होकर अनुविभागीय राजस्व कार्यालय तक निकाली जाएगी। समिति द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रैली में क्षेत्र के समस्त अनुसूचित जनजाति (ST), अनुसूचित जाति (SC), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), मांझी, गायता, पटेल, सरपंच, पंच एवं ग्रामवासियों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन प्रमुख मांगों को लेकर होगा प्रदर्शन - रैली के माध्यम से सूखा राहत एवं कर्ज माफी, स्थानीय शिक्षक भर्ती तथा पंचायत सचिव की स्थानीय भर्ती सहित विभिन्न मुद्दों को उठाया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य इन मांगों को लेकर संबंधित अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाना और ज्ञापन सौंपना है। समिति ने क्षेत्र के लोगों से एकजुट होकर रैली में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों ने कहा है कि एकता, शांति, अधिकार और विकास के उद्देश्य से अधिक से अधिक संख्या में लोगों की भागीदारी आवश्यक है।

समिति की अपील - गोंडवाना समन्वय समिति एवं सर्व आदिवासी समाज अंतागढ़ ब्लॉक की ओर से लोगों से अपने अधिकारों के समर्थन में आवाज उठाने तथा रैली को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251